हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 22.08.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 33 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपया~~ 2 रुपया

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

वीर शहीद नीलांबर पीतांबर की धरा से लातेहार, पलामू और गढ़वा की बहनों को

खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

सम्मान राशि का करेंगे हस्तांतरण

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंईयां
सम्मान योजना

हर बहना को
हर साल
₹ 12 हजार

पलामू प्रमंडल (लातेहार, पलामू और गढ़वा)
की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

केवल 2 सप्ताह में 45 लाख निबंधन

अब तक 43 लाख बहनों
का आवेदन स्वीकृत

31 अगस्त से पहले सभी बहनों
के खातों में होगी एक हजार रुपये
की सम्मान राशि (पहली किस्त)

सितंबर से हर महीने की
15 तारीख को हर बहन के खाते में
बिना देर पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार
PR- 333364 (Women, Child Development & Social Security) 24-25

एसटी-एससी के आरक्षण में क्रीमी लेयर के विरोध में सैकड़ों लोग सड़क पर उतरे, बड़कागांव रहा बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एसटी एससी का आरक्षण में क्रीमी लेयर करने के विरोध में बड़कागांव में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के द्वारा राष्ट्रव्यापी बंदी के तहत बड़कागांव बंद किया गया। जिसमें कई प्रबुद्ध ओबीसी के लोगों ने समर्थन दिया बड़कागांव में बंद करने के लिए लोग 6:00 बजे सुबह मुख्य चौक पहुंचे जो शाम 3:00 तक पंडाल लगाकर धरना बैठे रहे। आंदोलनकारीओ ने बाजार एवं दुकानों में घूम कर लोगों को आग्रह पूर्वक समर्थन मांगा। जिससे बड़कागांव पूर्ण रूप से बंद रहा। बड़कागांव - केरेडारी रोड, बड़कागांव- बादम रोड, बड़कागांव - हजारीबाग रोड , बड़कागांव उरीमारी रोड में वाहन नहीं चले । वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। अध्यक्षता प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइयां एवं संचालन कृष्णा राम व पूर्व मुखिया दीपक दास ने किया। बड़कागांव में घूम घूम कर बंदी को सफल बनाया। बंद का नेतृत्व पंचायत समिति सदस्य प्रभु राम, भीम आर्मी प्रखंड अध्यक्ष रितेश कुमार, निर्मल राम, भोक्ता समाज के अध्यक्ष सह पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि कालेश्वर गंझू, राजीव रंजन, भुइयां समाज के प्रखंड अध्यक्ष प्रभु भुइयां, रामेश्वर राम, रघुवीर राम, पूर्व मुखिया विशुन रजक, सेवा निवृत्त प्राचार्य राम सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता नकुल महतो, सुरेश चौधरी, दिनेश्वर राम पासवान, रामविलास साव,नरेंद्र कुमार राम, सामाजिक कार्यकर्ता सोनू इराकी, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम पूर्व, मुखिया सुनीता देवी, जेबीकेएसएस के राकेश कुमार, मिथिलेश कुमार, बैजनाथ रजक ने किया। बंद रहने से जनजीवन प्रभावित रहा। प्रदर्शन कारियों ने अपने हक व अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एवं केंद्र सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करते रहे। वक्ताओं ने कहा कि संविधान में वर्णित एसटी,एससी एवं ओबीसी के आरक्षण को लेकर कोई छेड़छाड़ नहीं किया जाए। क्योंकि एसटी ,एससी एवं ओबीसी आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। इतना ही नहीं राजनीतिक, तकनीकी एवं विज्ञान की शिक्षा में भी हम काफी पीछे हैं। इसलिए हमारे स्थिति को देखते हुए हमारे हक अधिकार को नहीं छीना जाए । मौके पर भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष रीकेश कुमार, पूर्व मुखिया विष्णु रजक, टूकनी देवी अरुण अंबेडकर, विनोद राम, इंद्र भूषण, अविनाश आहूजा, सूरज कुमार, नरेंद्र कुमार राम, सरिता देवी, देवंती देवी, उगनी देवी, कालेश्वर राम, नमेधारी राम, मुकेश कुमार दास, खेमलाल राम, संतोष राम, रामलाल तुरी, चिंतामणि रजक, सूरज कुमार, नीरज कुमार, आकाश राम, बादल कुमार, चंदन कुमार रवि, सुजीत कुमार बलदेव राम, संतोष राम सैकड़ो लोग शामिल थे।

एक नजर

कोयला तस्करी में पकड़ा गया ट्रक चालक, गया जेल

बरही : बरही पुलिस ने ट्रक संख्या यूपी 60 बीटी 1387 पर अवैध रूप से कोयला लादकर परिवहन करते समय रंगे हाथ पकड़ा गया। इस मामले में बरही थाना में कांड संख्या 346/24, धारा 317 (5)/ 3(5)/ 338/ 336(3)/ 318(4) भारतीय दंड संहिता एवं 30(2) कोल माइन एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। ट्रक चालक रितेश कुमार यादव (उम्र 25 वर्ष), जो कि बलिया, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। रितेश यादव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जन आंदोलन बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं : दीपक गुप्ता

बरही : बरही चौक पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति व जनजाति के उप वर्गीकरण एवं क्रीम लेयर लागू करने के संबंध में भारत बंद के समर्थन में कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के नेता ने ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता की अगुवाई में बड़ी संख्या में शामिल होकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया। इस दौरान विरोध जताते हुए जिला ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने पहले ही आगाह किया था कि संविधान तभी कारगर साबित होगा जब उसको लागू करने वालों की मंशा सही होगी। सत्तासीन सरकारें ही जब धोखाधड़ी, घपलों-घोटालों से संविधान और संविधान द्वारा दिये गये अधिकारों के साथ खिलवाड़ करेंगी तो जनता को सड़कों पर उतरना ही होगा, जो आज सच होता दिखा है। यह जन-आंदोलन बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं। जिला महासचिव सह विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू ने कहा कि आरक्षण की रक्षा के लिए जन-आंदोलन एक सकारात्मक प्रयास है। ये शोषित-वंचित के बीच चेतना का नया संचार करेगा और आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के खिलाफ जन शक्ति का एक कवच साबित होगा। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार होता है। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, ज़िला उपाध्यक्ष डॉ निजामुद्दीन, प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, विधायक प्रतिनिधि छटू गोप, प्रखण्ड ओबीसी कांग्रेस राजू राणा, मुखिया मनोज रविदास, कांग्रेस नेता अशोक सिंह, एससी सेल अध्यक्ष कार्तिक पासवान, पप्पू ठाकुर, फिरदोश खान, मो वारिस, रिजवान अंसारी सहित कई कांग्रेस नेता शामिल थे।

मुख्यमंत्री को आज पलामू के युवा देंगे जवाब : अभिषेक

मेदिनीनगर (पलामू) : आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम हवाई अड्डा पर निर्धारित है, हर बार की तरह झूठ फरेब बोल कर मुख्यमंत्री पलामू से निकलना चाहेंगे मगर इसबार युवाओ ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री इसबार हवाई अड्डा आएंगे तोह जरूर मगर विरोध खाकर यहां से वापस जायेंगे। आजसू छात्र संघ ने इसके लिए अपनी पूरी तैयारी और रोडमैप कल ही तैयार कर लिया था मगर कार्यक्रम स्थगित होने से एक दिन का और समय मिला और बेहतर रूप से तैयारी कर ली गई है। मुख्यमंत्री पलामू में इसबार युवाओ का आक्रोश झेलेंगे यह तय हो चूका है। युवाओ के प्रति मुख्यमंत्री की गंभीरता कभी नहीं रही है। आजसू छात्र नेता अभिषेक राज ने कहा की आजसू छात्रों युवाओं के साथ खड़ी है और जिस तरह से पांच वर्षो में युवाओ को इस सरकार ने छलने का काम किया है, उसका हिसाब युवाओ का आक्रोश से लिया जायेगा और युवाओ के आक्रोश के साथ हम कल विरोध के लिए तैयार है।

एससी-एसटी वर्गीकरण करना बंद करे सुप्रीम कोर्ट : संजीव बेदिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झामुमो केंद्रीय समिति के आदेशानुसार झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव एवं हजारीबाग मुख्य संयोजक संजीव कुमार बेदिया के नेतृत्व में हजारीबाग जिला के 16 प्रखंडों में बड़कागांव, उरीमारी, राजाबागी, केरेडारी, कटकमदाग, फटहा चौक इत्यादि जगहों पर, भारत बंदी के समर्थन किया गया है। बेदिया ने कहा सुप्रीम कोर्ट एसटी,एसी, को वर्गीकरण करने का कार्य कर रही है।आदिवासी और मूलनिवासी को के लिए विकास होने में बाधित उत्पन्न हो सकता है। जिसके विरुद्ध में पूरे भारत बंदी का समर्थन झारखंड मुक्ति मोर्चा कर रही है। मौके पर उपस्थित केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी जिला, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह, ज़िला झामुमो वरिष्ठ नेता सह प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइयां, उपाध्यक्ष संजय करमाली, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष इंद्रदेव राम, कटकमदाग प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद बांडों संजय रविदास, अशोक महतो, महेंद्र पासवान संजय करमाली उदय मेहता, रेशमी टुडू अमित कुमार, संदेव कुमार, पंकज करमारी, सुरज वर्मा कृष्णा प्रजापति, प्रयाग महतो सुरेश गिर्री, अनुज कुमार इत्यादि लोगों ने धरना को समर्थन दिया।

मुख्यमंत्री आवास घेराव को लेकर भाजपा की अहम बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भारतीय जनता पार्टी बड़कागांव पश्चिमी मंडल का बैठक मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी की अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी को माला अंग वस्त्र पहनाकर एवं पौध देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात कल 23 अगस्त को रांची में युवा आक्रोश रैली मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास घेराव एवं 25 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम पर विस्तार रूप से चर्चा किया गया। मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का पांच वर्ष पूरा होने वाला है युवा ठगा महसूस कर रहे हैं। हेमंत सोरेन ने सरकार में आने से पहले युवाओं को बड़े बड़े वादे किए थे। प्रत्येक साल 5 लाख युवाओं को रोजगार देंगे। जब तक रोजगार नहीं देंगे तब तक बेरोजगारी भत्ता देंगें। सभी अनुबंध कर्मियों को स्थाई करेंगे। लेकिन आज तक हेमंत सोरेन की सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। 25 अगस्त को बूथ स्तर पर मोदी जी की मन की बात सभी बूथ अध्यक्ष कार्यकर्ता अपने अपने बूथों में मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। और सरल एप में अपलोड करेंगें। बैठक में मुख्यरूप से पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी, मंडल महामंत्री नर्सिंग प्रसाद, मंडल उपाध्यक्ष अवधकिशोर मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता टुकेश्वर प्रसाद, कजरू साव, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष डॉ बालेश्वर कुमार, युवा मोर्चा जिला सोसल मीडिया प्रभारी शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता, भाजपा नेता मनीष पांडे, किशोर राणा, काली साव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजेश यादव, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद, युवा मोर्चा मंडल कार्यसमिति सदस्य सत्यजीत विद्या अलंकार, ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष राजीव रंजन, बूथ अध्यक्ष रीता देवी, तिलनाथ साव, अनिता गुप्ता, अनुज कुमार यादव,राजकिशोर साव,अर्जुन पांडे, भरत कुमार दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चौकीदार बहाली की अंतिम तिथि का हुआ विस्तार : सुनील कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में चौकीदार बहाली के आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 21 अगस्त से बढ़ाकर 28 अगस्त 2024 करने की स्वीकृती उपायुक्त नैंसी सहाय के द्वारा कर दी गई है। आज सुनील कुमार-सचिव जिला ग्रामीण विकास समिति हजारीबाग झारखंड सह युवा समाजसेवी एवं एन.डी.ए. फिजिकल अकैडमी हजारीबाग के निर्देश पंकज कुमार रवि एवं साथी दीपक कुमार, रवि कुमार पासवान के साथ-साथ सेंकड़ों युवा साथियों के साथ चौकीदार बहाली के आवेदन पत्र भरने की तिथि को बढ़ाने को लेकर उपायुक्त से मिलने जिला समाहरणालय गया था। उपायुक्त से न मिल पाने की स्थिति में चौकीदार पद की बहाली के नोडल अधिकारी सह अपर समाहर्ता से मिलकर आवेदन के साथ मिला तथा उनके साथ लंबी वार्ता कर युवाओं के उम्मीदों के उदगार से उन्हें अवगत कराया। फलस्वरूप उन्होंने उपायुक्त से विचार विमर्श कर आवेदन की तिथि विस्तार करने का भरोसा जताया। आपको यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता होगी कि युवाओं का दर्द समझने वाली लोकप्रिय उपायुक्त नैंसी सहाय ने तिथि विस्तार पर अपनी महत्वपूर्ण सहमति जताई और बेरोजगार साथियों के उम्मीदों को एक मौका दिया है। मेरा यह हमेशा प्रयास रहा है कि मैं जरूरतमंदों को सहारा देने का माध्यम बन सकूं। मेरे अनुरोध पर विचार करने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों तथा विशेष रूप से उपायुक्त महोदया का कोटि कोटि धन्यवाद।

कटकमसांडी के ग्राम डांड के प्रवासी मजदूर की मुंबई में मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड के आदि क्षेत्र में एक के बाद एक लगातार हो रही प्रवासी मजदूरों की मौत व विदेशो में फंसने का सिलसिला नहीं थम रहा है। इसी कड़ी में अब कटकमसांडी प्रखंड के ग्राम पंचायत डांड के कटकमसांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासी स्वर्गीय सचिंद्र यादव के 35 वर्षीय की मुंबई में गत सोमवार रात को मौत हो गई। इसकी सूचना सुबह मिलते ही यहां स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। उनकी पत्नी पार्वती देवी, दो बेटी और एक लड़का सभी को रो रो कर के बुरा हाल है पूरा परिवार के बीच मातम पसर गया है। परिजनों के अनुसार मृतक का इलाज मुंबई के साताबादी हॉस्पिटल में चल रहा था इलाज के दौरान हॉस्पिटल में ही 19 अगस्त को मौत हो गई मौत हको यह भी नहीं पता कि कैसे उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सचिंद्र यादव वहां मजदूर के रूप में कार्यरत था। इस दुखद हादसे की सूचना मिलते ही समाजसेवी और नव झारखंड फाउंडेशन केंद्र के फाउंडर किशोरी राणा के प्रयास से मृतक का पार्थिक शरीर गांव लाया गया।मृतक को परिजनों को हर संभव सहयोग का ढांढस बंधाया। प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी किशोरी राणा ने कहा कि झारखंड के नौजवानों की मौत के मुंह में समा जाने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने और भी बताया कि इसके अलावा अभी झारखंड के कितने मजदूर अदर देश में फंसे भी हुए हैं। राज्य सरकार मजदूर हित में कुछ पहल नहीं कर रही है। मजदूरों का पलायन तेजी से हो रहा है।

इस बार झारखंड में भाजपा की सरकार बननी तय : विधायक शशिभूषण मेहता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने बुधवार को नीलांबर पितांबरपुर (लेस्लीगंज) स्थित मौर्या फार्म हाउस में आंगनबाड़ी सेविका और सहायकों को उपहार भेंट किया। मौके पर विधायक डॉ. मेहता ने कहा कि राज्य के हेमंत सरकार महिलाओं के साथ छल किया है।राज्य सरकार के सौतेला व्यवहार के कारण महिलाओं को अधिकार नहीं मिल सका है। कहा कि झारखंड की महिलाएं अपेक्षित महसूस कर रही है। विधायक डॉ. मेहता ने कहा कि राज्य में हमारी सरकार बनती है तो भाजपा सरकार आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका और सहिया साथी को स्थाई करने और मानदेय में बढ़ोतरी का काम करेगी। कहा कि इस बार झारखंड में भाजपा की सरकार बनना तय है। भाजपा इस बार राज्य में 55 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी और बहुमत से सरकार बनाएगी। भाजपा ने संविदा कर्मियों को स्थाई करने के प्रस्ताव पर मुहर लगा रखी है। सरकार बनते ही इस पर अमल किया जाएगा। विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने कहा कि पूर्व विधायक के द्वारा महिलाओं को ठगा गया। आज तक पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं के प्रति कोई कार्य नहीं किया। कहा कि जब मैं विधायक बना और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का कार्य शुरू किया तो विरोधियों के पेट में दर्द होना शुरू हो गया है। लेकिन पांकी के जनता पूर्व विधायक के काले कारनामे से अवगत हैं, उनके झांसे में यहां के जनता पड़ने वाले नहीं है। पांकी की जनता इस बार भी भाजपा को वोट करेंगी। विधायक ने कहा कि उनके विधायक बनने के बाद दो साल कोरोना का दंश झेलना पड़ा। तीन साल उन्हें काम करने का मौका मिला। तीन साल में पांकी विधानसभा क्षेत्र में विकास की लंबी लकीर खींची गई। क्षेत्र में विकास भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए जनता से एक बार फिर समर्थन मांगा है। मौके पर बच्चन ठाकुर, दिलीप चौधरी, अजय पासवान, निर्मल मेहता, मंदीप मेहता , महेंद्र कुशवाहा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

क्षेत्र की जनता का सेवा करना मेरा प्रथम कर्तव्य : अमित सिन्हा

हजारीबाग : भाजपा नेता अमित सिन्हा के द्वारा बुधवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित किया गया प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सिन्हा ने अपनी जीवनकाल और राजनीतिक जीवन के विषय में विस्तार पूर्वक पत्रकार बंधुओ से साझा किया। इस बीच उन्होंने सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता की सेवा करने का संकल्प लिया इसी संकल्प के साथ उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचायत और प्रखंडों में युद्ध स्तर पर दौरा किया जा रहा है। युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न खेल आयोजित किया जा रहा है यदि मैं निर्वाचित होता हूं तो मेरा पहला कर्तव्य होगा कि मैं मेडिकल सुविधा को बेहतर करूं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट जिससे किसान भाइयों को काफी तकलीफ होती है इसे सुचारु रूप से करना मेरा कर्तव्य ही नहीं मेरा धर्म होगा सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता का सेवा करने का सौभाग्य के साथ उनके बीच आया हूं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यालय में अपनी सेवा के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में अपनी सेवा प्रदान करने के उपरांत अपनी जन्मभूमि अपनी कर्मभूमि में निवास करने वाली जनता की सेवा के साथ अपने जीवन की आगे की सोच और विकास की धाराओं को हजारीबाग में उतारने का संकल्प लेकर कार्य कर रहा हूं। एयरपोर्ट ट्रेन को बेहतर करना मेरा प्रथम दायित्व होगा। साथ ही कहा की ऐसी व्यवस्था की जाएगी। जिससे बच्चे हजारीबाग में पढ़कर ही डिग्री प्राप्त कर सकें इंस्टिट्यूट का निर्माण किया जाएगा। आने वाले दिनों में आने वाले दिनों में विभिन्न प्रखंडों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर जनता से सीधा संवाद करूंगा। हजारीबाग मेरी जन्मभूमि है मैं चौपारण प्रखंड के छोटे से गांव में निवास करता हूं।

भारत बंद का बरही में रहा मिला-जुला असर, दो घंटा बरही चौक रहा जाम

बरही : एससी एसटी आरक्षण मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ बुधवार को बरही में बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। इस क्रम में भीम आर्मी के सदस्यों और उनका समर्थन दिए कांग्रेसियों ने बरही चौक को जाम कर दिया। करीब दो घण्टे जाम लगी रही। इक्का दुक्का छोटे वाहन चलाते नजर आए, गैर सरकारी विद्यालय बंद रहे, वही अन्य क्षेत्रों में रोज की जैसे दुकान खुली रही। कार्यक्रम का नेतृत्व भीम आर्मी प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने किया। वहीं अध्यक्षता डपोक मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास व संचालन एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष सूरज दास ने किया। वहीं आंदोलन में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, कांग्रेस ओबीसी जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता, पासवान कल्याण समिति के प्रखंड अध्यक्ष सह कांग्रेस कांग्रेस पार्टी एससी विभाग के प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक पासवान, मोहम्मद वारिस संसारी, विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू, गुलाब दास, रघुवीर यादव पार्टी का झंडा लेकर दर्जनों कार्यकर्ता बंद कराने निकले। मौके पर सूरज दास, राम कुमार दास, पूर्व जीप सदस्य संतोष रविदास, रामकुमार रविदास, रिजवान अली, दीपेश ठाकुर, अहीर पासवान, किशुन कुमार, संतोष रविदास, निलेश दास, महेश रविदास, किशुन कुमार, निलेश दास, मनजीत कुमार, दशरथ रविदास, गुड्डू रविदास, कैलाश रविदास, दीपक कुमार, मनीष कुमार दास, मुकेश रविदास, ननकू दास, सुनील कुमार दास, लक्ष्मण राव, रंजीत दास, सुनील रविदास, महेश रविदास, विजय कुमार दास, रमेश रविदास, विक्रम कुमार, गोविंद दास, सूरज कुमार, उपेंद्र दास, मनोज कुमार, अमित कुमार, विजय कुमार, महादेव रविदास सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम एसडीओ को ज्ञापन सौपते हुए कहा कि देश के बहुसंख्यक अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति समाज के लोग भारत बैंड के माध्यम से मांग करती है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 अगस्त को दिए गए फैसले में अप वर्गीकरण एवं क्रिमी लेयर निर्धारित करने का अधिकार राज्य को देने हेतु आये न्यायाधीश से देश भर के एससी एसटी जाति वर्ग के लोग प्रभावित हो रहे है। उन्होंने मांग किया है कि तत्काल सांसद का सत्र बुलाकर एससी एसटी के हितों का ख्याल रखते हुए पहले जैसा रखा जाए।

हेमंत सरकार का विकास कार्य देखकर बीजेपी वालों के पेट में दर्द होता है : चंदन सिन्हा

छतरपुर (पलामू) : झारखंड की हेमंत सरकार जब भी कोई बेहतर कार्य करती है तो बीजेपी वालों के पेट में दर्द उठना प्रारंभ हो जाता है ।बीजेपी कभी नहीं चाहती है कि झारखंड के आदिवासी मूलवासी गरीब व्यक्ति आगे बढ़ें और उन्हें उनका हक अधिकार मिले। उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य सह छतरपुर बीस सूत्री उपाध्यक्ष चंदन प्रकाश सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा। जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में चंदन सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का पैसा पूरे झारखंड के बहनों के खाते में भेजा जा रहा है। छतरपुर प्रखंड में भी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र मिलाकर बीस हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें से संतानबे प्रतिशत आवेदनों को स्वीकृत किया जा चुका है। अब तक उनमें से लगभग बारह हजार से अधिक लोगों के खातों में पैसे भेजे जा चुके हैं। शेष बचे लोगों के खाते में भी कल तक पैसा चला जाएगा। यही बात भाजपा के नेताओं एवं कार्यकताओं को नहीं पच रहा है। पूर्व में लगभग सत्रह वर्षो तक झारखंड में भाजपा की सरकार रही है। इस कार्यकाल के दौरान भाजपा की सरकार ने गरीबों के हक को छीनकर अडानी अंबानी एवं अन्य पूंजीपतियों के खाते में डालने का काम किया है। जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है यहां के गरीब गुरबों आदिवासी मूलवासी को सीधा लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं का चयन किया जा रहा है और उसे पूर्णत: धरातल पर उतर जा रहा है। पहले भाजपा की सरकार में बिचौलिए एवं दलालों वृद्धा एवं विधवा पेंशन से भी पैसे कि उगाही जाती थी लेकिन हेमंत सोरेन ने कैंप लगाकर आवेदन देने एवं ऑन स्पॉट निष्पादन कराकर इसे पूर्णता हटाने का काम किया है। जो बिचौलिए एवं दलालों को नहीं पच रहा है और उनके अंदर बेचैनी समाई हुई है। वह जान रहे हैं कि यदि सरकार इस तरह से काम करेगी तो उनका रोजी-रोटी बंद हो जाएगा इसलिए गांव में दुष्प्रचार कर रहे हैं जबकि खुद उनके घर की महिलाएं इस योजना के लाभ हेतु आवेदन दे रहे हैं?। झारखंड की सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है योग्यता अनुसार उन्हें भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा। मंईयां सम्मान योजना सतत चलने वाला कार्यक्रम है ।जिन बहनों का उम्र 21 वर्ष से अधिक हो जाए वह कभी भी इसका आवेदन दे सकते हैं ।आवेदन की कमी नहीं है। प्रखंड कार्यालय या आंगनबाड़ी सेविका से आवेदन प्राप्त किया जा सकता है। यदि आवेदक मिलने में कोई कठिनाई हो तो मुझे भी संपर्क कर सकते हैं बिचौलिए एवं दलालों के चक्कर में नहीं पड़ना है ।झारखंड सरकार के कार्यों से बढ़ते हुए जनाधार को देखकर भाजपा के कार्यकर्ता आक्रोशित हैं और जनमुद्दों पर नहीं बल्कि सरकार के पढ़ते जनाधार से आक्रोशित होकर आक्रोश रैली कर रहे हैं। झारखंड की जनता अब मूर्ख नहीं है जागरूक हो रही है सब कुछ समझती है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भी लोकसभा चुनाव की तरह सबक सिखाएगी।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 22.08.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 33 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

जेपीएससी मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जल्द होगा जारी

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) जल्द ही मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जारी करेगा। रिजल्ट लगभग तैयार किया जा चुका है। मुख्य परीक्षा में 5600 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बताते चलें कि पीटी की परीक्षा 17 मार्च को हुई थी। 22 अप्रैल को पीटी परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था। 22 से 24 जून तक मुख? परीक्षा ली गई थी। यह परीक्षा 342 पदों के लिए ली गई थी। मुख्य परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद सफल अभ्यर्थियों के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी किया जाएगा।

छवि रंजन को चेशायर होम से जुड़े लैंड स्कैम केस में एचसी ने दी बेल

रांची : चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की गलत तरीके से खरीद-बिक्री करने के आरोपी रांची के पूर्व डीसी और निलंबित वक्षर छवि रंजन की जमानत याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी और बचाव पक्ष यानी छवि रंजन का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने छवि रंजन को बेल दे दी। छवि रंजन फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। छवि रंजन की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अभिषेक चौधरी, स्नेह सिंह और अभिषेक सिंह ने बहस की। यह केस ईडी के कांड संख्या ECIR 5/2023 से जुड़ा हुआ है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक 29 को

रांची : झारखंड कैबिनेट की बैठक 29 अगस्त को होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक शाम चार बजे से शुरू होगी। इस दौरान कई अहम प्रस्तावों पर कैबिनेट से मुहर लगेगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने बुधवार को इसकी सूचना दी है। झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) के मंत्रिपरिषद कक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी।

भारत बंद को विपक्षी दलों का मिला समर्थन बिहार में लाटीचार्ज और गुजरात में ट्रेन रोकी

एजेंसी

नयी दिल्ली : अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए उपलब्ध आरक्षण के उप-वर्गीकरण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के विरोध में विभिन्न दलित और आदिवासी संगठनों द्वारा बुधवार को बुलाए गए भारत बंद का विपक्ष के विभिन्न राजनीतिक दलों ने समर्थन किया। इनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड मुक्ति मोर्चा और वामपंथी दलों सहित कई विपक्षी दल शामिल रहे। इस दौरान बिहार की राजधानी पटना से लाठीचार्ज की खबरें आईं, वहीं देश के विभिन्न हिस्सों में बाजारों और शिक्षण संस्थानों में तालाबंदी रही। इस दौरान गुजरात के सुरेंद्रनगर में महिलाओं ने ट्रेन को रोक दिया। राजस्थान भारत बंद का असर सुबह से ही देखने को मिला। आज के दिन सड़कों पर चहल-पहल देखने को नहीं मिली। स्थानीय प्रशासन ने किसी तरह के अफवाह को फैलने से रोकने के लिए राज्य के 16 जिलों में शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद कर दिए।

झारखंड में भी दिखा भारत बंद का मिला-जुला असर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में भारत बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। सुबह से सबकुछ सामान्य चल रहा था। दिन चढ़ने के साथ ही भीम आर्मी, भाकपा, माले, झामुमो, राजद, आदिवासी छात्र संघ, झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन के बैनर तले बंद समर्थक सड़कों पर उतरे और दुकान बंद करवाई और सड़क भी जाम किया।

बंद का असर रामगढ़ जिले में भी देखने को मिला है। सुबह से ही आरक्षण के मुद्दे पर लोग सड़क पर निकले और उन्होंने रोड जाम कर दिया। फोरलेन में कई जगहों पर गाड़ियों को बीच सड़क पर लगाकर आवागमन बाधित कर दिया गया। रामगढ़ शहर में भी सुभाष चौक पर आंदोलन कर रहे

रांची में भारत बंद के समर्थन में उतरे प्रदर्शनकारी

लोगों ने सड़क को जाम कर दिया। कोयला राजधानी धनबाद में भी बंद का मिलाजुला असर दिखा। बुधवार सुबह से ही बंद समर्थक धनबाद की सड़कों उतर बंद कराते दिखे। इस दौरान बंद समर्थकों ने सड़क पर आगजनी कर यातायात बाधित करने का भी प्रयास किया लेकिन पुलिस मुस्तैद दिखी।

कांटाटोली स्थित खादगढा बस स्टैंड से मिली जानकारी के अनुसार लंबी दूरी के वाहन दिन में नहीं चले। सरकारी सहित निजी स्कूल बंद रहे। राजधानी रांची की बात करें तो सामान्य दिन की तुलना में बुधवार को वाहनों का परिचालन सामान्य दिनों से थोड़ा कम हुआ। कोकर से लेकर लालपुर तक दुकान खुले रहे। डिस्टलरी पुल के सब्जी बाजार और मछली एवं मुर्गा दुकान खुली रही। अन्य दिनों से ज्यादा भीड़ देखा गया जबकि कांटा टोली क्षेत्र में बंद का असर देखा गया। आटो, ई-रिक्शा, बस सेवा, प्रतिष्ठान, दुकानें सब बंद रहीं और सड़के सुनसान रहीं। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक सहित मेन रोड और अपर बाजार की दुकान में बंद रही। बंद समर्थक अल्बर्ट का चौक पर भी प्रदर्शन कर रहे थे। किशोर गंज चौक में भी इक्का-दुक्का दुकान छोड़कर सभी दुकानें बंद दिखीं। बंद समर्थक बाइक से घूम-घूम कर भी दुकान बंद करते देखे गए। जैसे ही बाइक समर्थक आगे बढ़ते थे, दुकानदार दुकान खोल देते थे। बंद को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे सभी चौक चौराहों पर पुलिस के जवान तैनात थे।

खासकर अल्बर्ट का चौक पर डीएसपी प्रकाश सोए, कोतवाली थाना प्रभारी, लोअर बाजार थाना प्रभारी सहित अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई थी। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया बंद के दौरान शहर में कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम पलामू में आज, हेमन्त होंगे मुख्य अतिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम 22 अगस्त को चियांकी हवाई अड्डा में अपराहन एक बजे से होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मुख्य अतिथि होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास तथा उद्योग विभाग मंत्री सत्यानंद भोक्ता, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बैद्यनाथ राम, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा मंत्री श्रीमती बेबी देवी, कृषि, पशुपालन, सहकारिता विभाग तथा आपदा प्रबंधन मंत्री दीपिका पांडेय सिंह होंगे। कार्यक्रम में पलामू एवं चतरा सांसद तथा प्रमंडल क्षेत्र के तीनों जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार

के सभी विधायकों को आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम की व्यापक तैयारी पूरी कर ली गई है। विधि व्यवस्था संधारण हेतु पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी तय की गई है। प्रमंडलीय आयुक्त बाल किशुन मुंडा, डीआईजी वाई. एस. रमेश, पलामू उपायुक्त शशि रंजन सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल में चल रहे तैयारी का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने तैयारी की मामूली कमियों को शीघ्र दूर करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने समाहरणालय सभागार में जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिम्मेवारियां तय की। कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की उम्र की हर बहनों को खुशियों का उपहार के रूप में साल के 12 हजार रुपए दिये जा रहे हैं। योजना के तहत लाभुकों के आवेदन की स्वीकृति के उपरांत सरकार द्वारा बहनों के बैंक अकाउंट में राशि का स्थानांतरण किया जाने लगा है। इससे पलामू ही नहीं राज्य की महिलाओं में खुशी का माहौल है। विदित हो कि पलामू में दो लाख 65 हजार से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में योजना की राशि भेजी जा चुकी है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर पोलैंड पहुंचे, भारतीय समुदाय के लोगों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर किया स्वागत

एजेंसी

वारसॉ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन के दौरे पर पोलैंड पहुंच गए हैं। जिस होटल में ठहरेंगे, उसके बाहर भारतीय समुदाय के लोग जमा हो गए हैं। वे पीएम के इंतजार में भारत माता की जय के नारे लगाते नजर आए।

भारत से रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा हूं। पोलैंड के साथ राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरा होने के मौके पर मेरी यह यात्रा हो रही है। पोलैंड मध्य यूरोप का हमारा आर्थिक साझेदार है। पिछले 45 वर्षों में यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने रवाना होने से पहले अपने बयान में कहा था, पोलैंड की मेरी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हमारे राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ है। पोलैंड मध्य यूरोप में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है। लोकतंत्र

और बहुलवाद के प्रति हमारी पारस्परिक प्रतिबद्धता हमारे संबंधों को और मजबूत बनाती है।

प्रधानमंत्री मोदी का वारसॉ में औपचारिक स्वागत किया गया। वे गुरुवार को राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। उनका पोलैंड में भारतीय समुदाय से भी मिलने का कार्यक्रम है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने सोमवार को पीएम मोदी की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा की घोषणा करते हुए कहा था, हमारा द्विपक्षीय व्यापार काफी बड़ा है। और यह 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है जो पोलैंड को मध्य और पूर्वी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाता है। पोलैंड में भारतीय निवेश लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। और भारत में पोलैंड का निवेश लगभग 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

पीएम मोदी यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष के रूप में पोलैंड के अपने समकक्ष से चार बार मिल चुके हैं। उन्होंने मार्च 2022 में राष्ट्रपति डूडा से फोन पर बात की थी। यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने में पोलैंड ने जो सहायता दी, उसके लिए धन्यवाद दिया था। साल 2022 में पोलैंड के रास्ते 4000 से अधिक भारतीय छात्रों को निकाला गया था। पीएम मोदी ने वर्ष 2001 में गुजरात भूकंप के दौरान पोलैंड द्वारा दी गई सहायता को भी याद किया।

उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड के कई परिवारों और युवा अनाथों को बचाने में जामनगर के महाराजा द्वारा निभाई गई भूमिका को भी याद किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, पोलैंड में कई भारतीय कंपनियों की सक्रिय उपस्थिति है। और वे आईटी से लेकर फार्मास्यूटिकल्स, विनिर्माण से लेकर कृषि वाहनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टील, धातु और रसायन तक कई क्षेत्रों में कार्यरत हैं। भारत में पोलैंड की लगभग 30 कंपनियों की उपस्थिति है।

चम्पाई सोरेन अपना राजनीतिक संगठन खड़ा करेंगे, समर्थकों से मिलकर लिया फैसला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन अब फ्रंट फुट पर राजनीति के मैदान में उतर गए हैं। दिल्ली से लौटने के बाद उन्होंने बुधवार को अपने पैतृक गांव झिलिंगगोड़ा, महुलडीह तथा हाता क्षेत्र में समर्थकों से मुलाकात के बाद अलग संगठन खड़ा करने की घोषणा कर दी है।

उन्होंने कहा कि आगामी सात दिन के भीतर पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। बीते मंगलवार को दिल्ली से वापस आने के बाद देर रात से उनके आवास पर समर्थकों का जमावड़ा लगा हुआ था। दिल्ली से लौटने के बाद उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि बहुत जल्द पता चल जाएगा कि वे क्या करने वाले हैं। बुधवार की सुबह भी बड़ी संख्या

में समर्थक उनके आवास पर पहुंचे थे। समर्थकों से बातचीत के बाद चंपाई सोरेन अलग-अलग जगहों पर जाकर भी समर्थकों से मिल रहे हैं। अलग संगठन खड़ा करने की घोषणा के बाद ऑफ द रिकॉर्ड चंपाई सोरेन ने कहा कि सीएम बनने के बाद जिस तरह से अपमानित किया जा रहा था, उसको बयां नहीं किया जा सकता है। चम्पाई सोरेन का गुस्सा सीधे तौर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लेकर था।

चम्पाई की इस घोषणा से भाजपा में शामिल होने के कयासों पर अब विराम लग गया है। हालांकि उन्होंने अभी तक नहीं बताया है कि उनकी पार्टी का क्या नाम होगा। इससे पहले कहा जा रहा था कि बीजेपी के कुछ बड़े नेताओं के संपर्क में चम्पाई सोरेन थे। मगर ऐन वक्त पर खेल बिगड़ गया और दिल्ली यात्रा उनकी राजनीतिक नहीं बल्कि निजी हो गई। कहा जा रहा है कि प्रदेश स्तर के कुछ बीजेपी नेताओं ने ही खेल बिगाड़ने का काम किया और चम्पाई के भाजपा में इंट्री से पहले ही इस पर विराम लग गया। अब सभी को उनका अगला कदम क्या होगा, इसपर निगाहें टिकी है।

चम्पाई सोरेन का एस्कॉर्ट वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, पांच घायल

सरायकेला : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का एस्कॉर्ट वाहन (संख्या जेएच 22अ/1084) दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। बताया जाता है कि सरायकेला-खरसावां जिले के जिलिंगगोड़ा में मंगलवार देर रात करीब दो बजे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को ड्रॉप करने के बाद एस्कॉर्ट वाहन लौट रहा थी। इसी दौरान सरायकेला-कांड्रा मुख्यमार्ग पर मुड़िया के पास अज्ञात वाहन से टकरा गया। एस्कॉर्ट वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही ग्रामीण वहां पहुंचे। प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद अधिकारी और पुलिस की टीम वहां पहुंची। दुर्घटना में घायल सभी लोगों को सदर अस्पताल ले जाया गया। शव को भी सदर अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को प्राथमिक चिकित्सा दी गई। दुर्घटना में मृत चालक का नाम विनय बानसिंह (45) है।

टीएसपीसी कमांडर दिवाकर गंझू दस्ता के तीन सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के बुढ़मू थाना पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीसी के कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप दस्ता के तीन सक्रिय सदस्यों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार नक्सलियों में प्रकाश गंझू, राहलु लहरी और मोनू कुमार बड़ाईक शामिल है। इनके पास से एक देशी कारबाइन, एक मैगजीन, दो बाइक, 11 पीस नक्सली पर्चा , गोली रखने का चार पाउच, चार मोबईल फोन और एक मिस फायर गोली बरामद किया है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि दामोदर नदी के किनारे बड़कागांव, केरेडरी एवं बुढ़मू थाना की सीमा पर स्थित छापर गांव में सीसीएल का बन्द पड़ा क्वार्टर के सुनसान स्थान के पास टीएसपीसी कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप दस्ता के पांच सक्रिय सदस्य एकत्रित हुए है, जो रंगदारी वसूलने एवं किसी बड़े घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है। सूचना के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी की। पुलिस बल को देखते ही टीएसपीसी के दस्ता सदस्य भागने का प्रयास किये। लेकिन पुलिस टीम ने तीन को दबोच लिया । जबकि दो नक्सली जंगली क्षेत्र होने का फायदा उठा कर भागने में सफल रहे। पकड़ाये नक्सलियों के पास से हथियार बरामद किया गया है।

गिरफ्तार नक्सलियों द्वारा बताया गया कि मार्च 2024 में बड़कागांव थाना क्षेत्र के पतरा बालु यार्ड में दिवाकर गंझू के साथ मिलकर संगठन के लिये लेवी वसूली को लेकर फायरिंग किये थे तथा काम बंद करवाये थे। करीब दो माह पूर्व छापर बालू घाट पर टीएसपीसी संगठन से अलग हुये आलोक गुट के साथ मारपीट किये थे और बालू घाट से रंगदारी वसूले थे।

एक नजर

भीम आर्मी ने किया सड़क जाम

धनबाद : हरिणा हिरक चौक के समीप भीम आर्मी द्वारा किया गया सडक जाम के दौरान नोंक झोंक। बरोरा थानेदार आंदोलनकारियों को समझाने का प्रयास करते हुए एवं सडक जाम का आग्रह करते हुए। इस बीच नोंक-झोंक तथा कुछ देर तनाव का माहौल बना रहा। आंदोलनकारी सडक जाम पर डटे रहे। क्षेत्र की सभी दुकानें बंद है। शयामडीह भटमुड़ना मोड़ को भीम आर्मी व कांग समर्थकों ने फोरलेन सड़क को किया जाम। मोड़ की दुकानों को भी कराया गया बंद,इस दौरान तनातनी का माहौल बना रहा।

चास रोटरी ने हजारों लोगों को दिया है जीवनदान : सलूजा

बोकारो : चास रोटरी द्वारा रेड क्रॉस ब्लड बैंक, बोकारो में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व रोटेरियन हरबंस सिंह सलूजा उर्फ ब्लडमैन ने किया। इस शिविर में मुख्य रूप से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 36 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। विश्व रिकार्ड धारक ब्लडमैन सलूजा ने कहा कि अगर कोई कहता है कि ईश्वर को नहीं देखा तो रक्तदाता को देख लें क्योंकि रक्तदान जैसा नेकी का कार्य ईश्वर के दूत ही कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में रोटेरियन श्वेता रस्तोगी , रोटेरियन ज्योति अग्रवाल एवं नंदिनी रस्तोगी ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया। नए-नए रक्तदाताओं को जोड़ना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। चास रोटरी के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि सभी सदस्य शिविर के माध्यम से समय-समय पर रक्तदान करते हैं एवं जरूरतमंदों को समय से रक्त उपलब्ध कराने में भरपूर सहयोग करते हैं। सचिव श्री मुकेश अग्रवाल ने कहा चास रोटरी थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए कई वर्षों से रक्तदान शिविरों का आयोजन कर रही है और यह कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। शिविर को सफल बनाने में चास रोटरी के धनेश बंका, दीपक झांझरिया, गौरव रस्तोगी, कुमार अमरदीप, अमन मल्लिक, मनजीत सिंह, संजय कुमार रस्तोगी, शशांक अग्रवाल, सिद्धार्थ पारीख, विपीन अग्रवाल, डॉ श्रवण, डॉक्टर संजीव, प्रेम शंकर सिंह, प्रकाश केजरीवाल, विजय अग्रवाल, चनप्रीत सिंह, ललिता चोपड़ा, रविंदर कौर सुम्मी, अर्चना सिंह, श्वेता रस्तोगी, जयप्रकाश द्विवेदी एवं डॉक्टर यू मोहंती सहित पूरी टीम का मुख्य रूप से सहयोग रहा।

रेलवे कर्मियों ने काला बिल्ला लगा कर बंद का किया समर्थन

बोकारो : एससी-एसटी वर्ग में वर्गीकरण लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश तथा भारत सरकार के ढुलमुल रवैया के विरोध में 21 अगस्त को भारत बंद का रेलवे कर्मियों ने अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया। बोकारो रेलवे इलेक्ट्रिक लोको शेड के रेलकर्मियों ने काला बिल्ला काला, पट्टी बांधकर अपने कार्यों का निष्पादन किया। प्रतिकात्मक रुप से रिजर्वेशन नियम एवं संविधान में बदलाव पर विरोध प्रकट किया। इस सांकेतिक विरोध का नेतृत्व एससी-एसटी एसोसिएशन के परबिंद कुमार ने किया। इस आंदोलन को सफल बनाने में दिनेश दास, संदीप कुमार, अभिषेक कुमार, गोविंद लोहारा, विकास भुइंया, हरिलाल, पवन कुमार, लक्ष्मण सोरेन, संजीव कुमार,वीरेंद्र कुमार, पांडव महतो सहित अन्य की अहम भूमिका रही।

थाना प्रभारी से संपर्क करके तैयार करें वल्नरेबल मैपिंग रिपोर्ट : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में न्यू टाउन हॉल में सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को वल्नरेबल मैपिंग से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट संबंधित थाना प्रभारी से संपर्क करके ही वल्नरेबल मैपिंग रिपोर्ट तैयार करेंगे। रिपोर्ट तैयार करते समय वहां की विधि व्यवस्था, अपराधिक घटनाएं, पूर्व के चुनाव में घटित घटनाएं, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वता, धन-बल का प्रभाव सहित बताए गए अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखकर समझदारी से रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि वल्नरेबल मैपिंग चुनाव प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। करोड़ों लोगों को हमारी निर्वाचन प्रक्रिया पर भरोसा है। हम सब इस मजबूत व्यवस्था का एक अंग है। जिस प्रकार आपके योगदान से लोकसभा चुनाव सुचारू रूप से संपन्न हुए उसी प्रकार अपने दायित्व का निर्वाहन करते हुए विधानसभा चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराना है। साथ ही उपायुक्त ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को चुनाव से पूर्व सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ तीन बार अपने मतदान केंद्रों का भ्रमण करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को मतदान के दिन की जिम्मेदारी, एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी, मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट, मतदान के दिन की सुविधा, कतार मैनेजमेंट, मतदाता सुविधा पोस्टर का प्रदर्शन, पोलिंग स्टेशन लेआउट, वोटिंग कंपार्टमेंट, मतदान सामग्री की सीलिंग एवं पैकेजिंग, चुनाव के बाद की जिम्मेदारी सहित अन्य बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष कुमार गुप्ता, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी जियाउल अंसारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला के अलावा मास्टर ट्रेनर दिलीप कुमार कर्ण, राजकुमार वर्मा, कुमार वंदन मौजूद थे।

तेतुलमारी में आउटसोर्सिंग कैम्प बनाने का लोगों ने किया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तेतुलमारी (धनबाद): बी सी सी एल सिजुआ क्षेत्र के तेतुलमारी कोलियरी अंतर्गत बेलदारिया बस्ती के समीप सिंह नेचुरल नामक आउटसोर्सिंग कंपनी का कैम्प बनाने के लिये बेलदारिया नया कांटा घर के पास समान लेकर आई गाड़ी के ग्रामीण व महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ा। कैम्प बनाने के लिये आये कंपनी को काफी फजीहत के बाद तेतुलमारी थाना परिसर में वार्ता बे असर रहने के बाद पुनः कार्य स्थल सभी लोग पहुचें जहाँ 4 घंटे बाद समाचार लिखे जाने तक कंपनी के पदाधिकारी, बी सी सी एल के अधिकारी, ग्रामीण, सी आई एस एफ के जवान व पुलिस को मौजूद दिखे, उससे पूर्व बेलदारिया के बाद तेतुलमारी थाना में काफी गहमा गहमी भी हुई। गहमा गहमी के बाद सभी लोग कार्य स्थल पर पहुचे, जहाँ कई घंटे बाद आपसी सहूलियत के बाद आगे ठोस निर्णय लेने की बात कही। बेलदारिया बस्ती के ग्रामीण पहले मुआवजा, विस्थापन, जमीन उपलब्ध कराने व नियोजन की मांग पर अड़े हुये थे। सिंह नेचुरल कंपनी के प्रमोद सिंह ने कहा कि बेलदारिया बस्ती के ग्रामीणों के जायज मांगो को उचित समय पर कंपनी पूरा करने का प्रयाश जरूर करेगी।

भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का केंद्र बन गये हैं : उमेश प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता ने जिला कांग्रेस कार्यालय दुदीबाग में प्रेस कॉन्फ्रेस आयोजित कर कहा कि बोकारो विधायक बिरिंची नारायण आंधे भक्त मोदी रूपी चश्मा को खोल के देखे झारखण्ड गठबंधन सरकार कि विकास को झारखण्ड में गठबंधन सरकार ने किसानो के कर्ज माफी 50 हजार से 2 लाख कर दी बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली माफी ग्रामीण क्षेत्र के 50 वर्ष के आयु एसी एसटी महिलाओ और पुरुषो के लिए सर्वाजन पेंशन योजना लागू किया। साथ ही साथ अब पुरे झारखण्ड प्रदेश के 21 वर्ष से ऊपर और 49 वर्ष के निचे सभी बहन बेटी के खातों में मईया सम्मान योजना के तहत 1000 रुपए आना चालू हो गया है। गुप्ता ने मिडिया से बात करते हुऐ कहाँ कि केंद्र कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल हैं, हिदुस्तान में लगातर पेपर लीक हो रहा हैं और नरेंद्र मोदी या तो उसे रोक नहीं पा रहे या रोकना नहीं चाहता हैं। भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर और शिक्षा माफियाओं की लेबोरेटरी बन गई है। इस पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की बोलती बंद हैं। झारखण्ड कि आम जनमानस को समझ में आ गईं है कि आगामी विधानसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी को मुहतोड़ जबाब मिलेंगे,पुरे झारखण्ड से सफाया हो जयेंगे। इस मौके पर बोकारो जिला वरिष्ठ कोंग्रेसी रास नारायण सिंह,जीतेन्द्र यादव, कमरुल हसन, सतेंद्र यादव, नजीर अहमद, मो काशिम सहित जिला कमिटी के पदाधिकारी गण उपस्थिति रहे।

असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनरों को दिया गया एमसीसी का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : आगामी विधान सभा निर्वाचन 2024 के आलोक में असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनरों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन पुराने डीआरडीए सभागार में बीएलओ प्रशिक्षण, पोस्टल बैलेट प्रशिक्षण, आदर्श आचार संहिता प्रशिक्षण एवं सेक्टर पदाधिकारियों के प्रशिक्षण मॉड्यूल पर विस्तृत चर्चा कर बारीकियों से सभी प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया। मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण ने सेक्टर पदाधिकारियों के कार्य एवं दायित्व के बारे में समझाया। वहीं अन्य प्रशिक्षक कुलदीप ने आदर्श आचार संहिता के तमाम बिंदुओं पर प्रकाश डाला। महफूज आलम ने पोस्टल बैलेट तथा होम वोटिंग के माध्यम से मतदान किए जाने की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त पुष्कर चंद्र झा ने निर्वाचन कार्य में बीएलओ की भूमिका के बारे में बताया। अन्य मुख्य प्रशिक्षक राज कुमार वर्मा ने मतदान संपन्न होने के उपरांत सामग्रियों को जमा करने के दौरान प्रक्रिया को सरल करने के कुछ उपाय सुझाए। गुरुवार, प्रशिक्षण के अंतिम दिन, ईवीएम के विभिन्न भाग एवं कमीशनिंग की जानकारी, माइक्रो आब्जर्वर के कार्य, रिसीलिंग तथा काउंटिंग की जानकारी दी जायेगी।

एमजीएम स्कूल के खिलाड़ियों का दल पंजाब के लिए रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एमजीएम स्कूल के 20 खिलाड़ियों का दल प्रशिक्षक राजीव सिंह की देखरेख में संगरूर पंजाब में हो रहे आठवीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप जो की गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा 23 से लेकर 28 अगस्त तक संगरूर पंजाब में कराया जा रहा है एमजीएम बोकारो की टीम आज प्रतियोगिता के लिए रवाना हो गई इस टीम के सदस्यों में देवराज, जय कुमार, जेबा नाज, अदिति तिवारी, स्वाति कुमारी, साक्षी श्रीवास्तव, श्रेया परिया, माया कुमारी, ऋषिका कुमारी, रिया सिंह, प्रियांशु राज सिंह, प्रियदर्शनी कुमारी,जसमीत कुमार, आशीष कुमार, वेदांत भारद्वाज, तरुण कुमार,हर्षित कुमार, शौर्य शेखर, प्रिया मंडल, एवं रवि रोशन इन सभी खिलाड़ियों का राज्य गतका प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन अथवा स्वर्ण पदक जीतने के बाद राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता के लिए चुने गए हैं तथा राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता संगरूर पंजाब में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स में खिलाड़ियों का चयन होना है बता दे कि पिछले तीन वर्षों से लगातार बोकारो के गतका खिलाड़ी खेलो इंडिया जैसे भारत सरकार के सबसे बड़े खेल प्लेटफार्म पर चयनित होकर बोकारो अथवा झारखंड राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं गतका संघ के सचिव राजीव सिंह ने कहा कि इस बार भी मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ियों का चयन खेलो इंडिया के लिए होगा और फिर से एक बार बोकारो तथा झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर हमारे खिलाड़ी ऊंचा करेंगे।

भारत बंद को लेकर बोकारो की सड़क पर उतरे कई संगठन, नयामोड़ सहित एनएच 23 को किया जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एससी एसटी वर्ग में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा वर्गीकरण के आदेश और क्रीमी लेयर को आरक्षण ना देने के विरोध में बुधवार को बोकारो में बंद असरदार रहा। सुबह छह बजे से ही समर्थित दलों के नेता व कार्यकताओं ने सड़क पर उतर कर सड़क जाम कर दिया। नयामोड़ बिरसा चौके को चारो तहरफ से ट्रक व टेलर लगा कार सड़क जाम कर दिया। वहीं सड़को पर टायर लजा कर विरोध जताया। जिससे बड़े छोटे गाड़ियों का आवागमन बंद हो गया। इसके अलावे फोर लेन बांसगोड़ा, चार तालगाड़िया मोड़, तेलमच्चों, अलकुशा मोड़, आईटीआई मोड़, कुर्रा,नगेनमोड़, उकरीद मोड़ सहित अन्य स्थानों पर भारत बंद के समर्थन में प्रर्दशन करते रहे। इस दौरान समर्थन करने वाले दलों के नेता व कार्यकताओं ने नारेवारी करते दिखे। सड़को पर लगभग आठ घंटे तक गाड़ीयो का आवागमन ठप रहा। बंद को लेकर नयामोड़ बस स्टेंड से लंबी व कम दूरी के एक भी बसे नहीं खुली। दुसरे राज्यों, लंबीदूरी सहित सभी बसे स्टेंड में खड़ी रही। वहीं बंद को लेकर यात्रियों को काफी परेशानी हुई। लोग बस स्टेंड से वापस लौटे, कई लोग रेलवे स्टेशन से पैदल सफर कर घर तक पहुचे। इस दौरान बाजारों के दुकाने भी बंद रहा। बंद के समर्थन में अनूसूचित जाति जनजाति फॉरम, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, झारखण्ड मुक्तिमोर्चा सहित अन्य समथित दलों के नेता कार्यकताओं ने बंद कराया। वहीं देर शाम को आवागम धीरे-धीरे शुरू हो गया। इस दौरान पुलिस प्रशासल जगह जगह तैनात रहे। जिससे किसी प्रकार की कोई छोटी बड़ी घटना नहीं हुई।

संक्षिप्त खबरें

जीएनएम हाई स्कूल मैदान के नवनिर्मित भवन के पूजन में पहुंचे सांसद प्रतिनिधि

कतरास (धनबाद): बुधवार को धनबाद के वर्तमान सांसद व पूर्व बाघमारा विधायक ढुलू महतो के विधायक मद से श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति जी एन एम हाई स्कूल मैदान कतरास में बने नव निर्मित भवन का पूजन किया गया। पूजन कार्यक्रम के मुख्य यजमान समिति के उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिन्हा व उनकी धर्मपत्नी पूजा में बैठे। पूजन कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि शरद महतो उपस्थित हुए। महतो ने पूजा समिति के उपस्थित पदाधिकारियों को बतलाया की समिति के लिए सांसद दुलू महतो ने अपने विधायक कार्यकाल में ही समिति के लिए शौचालय निर्माण, पानी की सुविधा हेतु एक जेडपंप, और जी एन एम ग्राउंड में एक हाई मास्ट लाईट की अनुशंसा कर चुके हैं। जो बहुत जल्द धरातल पर उतरेगा। समिति के लोगों ने सांसद प्रतिनिधि का जोरदार स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद भी दिया। आज पूजन कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष शंकर जायसवाल, सचिव मुकेश भट्ट, संरक्षक प्रताप नारायण पांडे, विनय सिन्हा, निगरानी समिति के अध्यक्ष सरोज विश्वकर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज सिन्हा, अशोक शर्मा, मनोज राय, बिनोद रजक, शैलेंद्र सिन्हा, सूर्य देव मिश्रा, सकलदेव प्रमाणिक, बबलू चौरसिया, दिलीप तार्वे, कुमार प्रवीण, कुलदीप सिंह, चंद्रकांत कुमार, नितेश सिंह, अमित रजक, गणेश मोदक, राहुल राज, शिवम दसोंधी, बीके रजक, आशीष गुप्ता, आकाश खंडेलवाल, प्रभाकर दत्ता, अप्पू साहू, केशव गुप्ता, भोला मोदक, मनीष चौरसिया, प्रकाश पटवा, रोहित दे, केशव सिन्हा, सिद्धार्थ रजक उपस्थित थे।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ठाकुर कुल्ही धैया का हुआ पुनर्गठन

धनबाद: श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ठाकुर कुल्ही धैया वार्ड संख्या 21 के सदस्यों की बैठक दुर्गा मंदिर प्रांगण में प्रद्युत कुमार राय की अध्यक्षता में हुई। श्री राय ने बताया कि ठाकुर कुल्ही में पूजा 2009 में प्रारंभ की गई थी तब से पारंपरिक रूप से पूजा होती आ रही है इस वर्ष भी पारंपरिक उल्लास के साथ पूजा मनाई जाएगी । पूजा के दौरान चित्रकला, क्विज, नृत्य प्रतियोगिता के साथ-साथ म्यूजिकल चेयर का भी आयोजन किया जाएगा। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को पूजा समिति की ओर से पुरस्कृत भी किया जाएगा। बैठक में 26 अगस्त को हर्षो उल्लास के साथ जन्माष्टमी महोत्सव दुर्गा मंदिर में मनाने का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से दुर्गा पूजा कमेटी का पुनर्गठन किया गया । मदन मोहन सिंह अध्यक्ष, मनीष मिश्रा सचिव, रंजीत जायसवाल कोषाध्यक्ष, जगन्नाथ पाठक, प्रद्युत कुमार राय, शशिकांत मिश्रा, बबलू सिंह, पूरन सिंह, नीरज सिंह संरक्षक, विमल कुमार, ओम शंकर ठाकुर, भीमसेन चौरसिया, भोलानाथ पांडे, प्रभास प्रसाद, मनोज सिंह, रतन उपाध्याय, बरमेश्वर चौधरी, उमेश जायसवाल उपाध्यक्ष, विकास राय, राजकुमार शर्मा, मनीष पाठक, प्रदीप पाठक सहसचिव, शशिकांत पांडे, श्रवण चौरसिया, संतोष रजक, मृत्युंजय सिंह, इंदर सिंह, अजय चौबे संगठन सचिव, सुमित पाठक, विकास राय सह कोषाध्यक्ष, रंजीत जायसवाल, सुमित अरोड़ा मीडिया प्रभारी, जयंत मिश्रा, संजीव मिश्रा, सुनील वर्मा समिति संयोजक, संजय मिश्रा, सुशील मिश्रा अंकेक्षण, सुनील चौरसिया, मनीष जायसवाल, दीपक कुमार, जितेंद्र सिंह, शुभम मिश्रा कार्यक्रम संयोजक, मृत्युंजय सिंह अभिषेक सिंह, सत्येंद्र मिश्रा सक्रिय सदस्य, आयुष ठाकुर, दीपक दे, प्रवीर दास, आशीष जायसवाल, राकेश कुमार मिश्रा, जितेश चौरसिया, पारिजात राय, निलेश कुमार, अप्पू चौरसिया, मुकेश वेध, सुशील सिंह, कुमार कौशल, अजीत शर्मा, संजीत सिंह, अनीश सिंह, अजय सिंह, विवेक सिंह, मेघनाथ सिंह, सुभाष मंडल, राजू यादव को सदस्य बनाया गया।

चिन्मय विद्यालय का 48वां स्थापना दिवस हार्सोल्लास के साथ संपन्न

बोकारो : विविध चटकीले रंग समेटे हुए उत्साहवर्धक रहा शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक और अच्छी नौकरी नहीं, बल्कि सर्वोच्च मानवीय गुणयुक्त चरित्र-निर्माण होना चाहिए । स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती विगत 47 वर्षों में अर्जित समृद्धि और प्रचूर सफलता एवं नयी आशा लिए चिन्मय विद्यालय का 48वाँ स्थापना दिवस पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। 19 अगस्त 1977 को इस विद्यालय की शुरूआत सेक्टर 1/बी के एक गराज से हुई थी और आज भारत के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों का शिरमौर बना हुआ है। झारखंड का एक मात्र नाबेट एक्रीकेटेड विद्यालय है, चिन्मय विद्यालय, बोकारो। गीत संगीत, नृत्य एवं शैक्षिणक उपलब्धियों से भरे उत्सव की मुख्य अतिथि परम पूज्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, अन्य विशिष्ठ गणमाण्य अतिथि थे, विश्वरुप मुखोपाध्याय (अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति), सूरज शर्मा (प्राचार्य), आर एन मल्लिक (कोषाध्यक्ष), डॉ अशोक सिंह (भूतपूर्व प्राचार्य) एवं नरमेन्द्र कुमार (उप-प्राचार्य), मुख्य अतिथि सहित सभी विशिष्ठ अतिथि को प्राचार्य सूरज शर्मा ने गुलदस्ता भेंट देकर स्वागत किया। जबकि उप-प्राचार्य ने श्री सूरज शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंट देकर स्वागत किया एवं उप-प्राचार्य को रश्मि शुक्ला प्रभारी प्राइमरी विंग ने पुष्प गुच्छ का भेंट देकर स्वागत किया। इस औपचारिकता के बाद सभी गणमाण्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। नन्हें-नन्हें बच्चों द्वारा मनमोहक स्वागत-गान की प्रस्तुति के बाद प्राचार्य सूरज शर्मा छात्र-अभिभावकों के उपस्थित समूह का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन हमारी सफलता से परिपूर्ण स्वर्णिम यात्रा का एक अहम पड़ाव है। 48वें विद्यालय स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामना। आप सभी के प्रयास, संघर्षशीलता, दृढ़-प्रतिज्ञा एवं सफलता का एक विलक्षण साक्षी है। इन वर्षों में विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में एवं नैतिक मूल्यों के विकास के क्षेत्र में अप्रतिम सफलता हासिल किया है। इसके छात्र चाहे युपीसीई हो, वीपीएसई हो, आई आई टी। जेइई हो या नीट या फिर अन्य प्रतियोगिता परीक्षा हो, सभी में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इसके पीछे लगे हम सभी शिक्षक प्रबंधन एवं अभिभावकों के सामूहिक प्रयास के परिणाम हैं। मैं आज परमपूज्य स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती को हृदय से स्मरण करते हुए इस विद्यालय के विकास में सभी संतों एवं शिक्षाविदों के योगदान को स्वीकार करते हुए अपना अभिवादन समर्पित करता हूँ और आशा करता हूँ कि विद्यालय अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए निश्चित ही सरपट गति से आगे बढ़ता जाएगा, जो हम आज हैं, वो कल हम इससे बेहतर होते चले जाएंगें।

एक नजर

पीएमजीएसवाई के लिए इंजीनियरों की टीम बनेगी : मुख्य सचिव

रांची : मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए अभियंताओं की विशेष टीम गठित करने का निर्देश ग्रामीण कार्य विभाग को दिया है। यह टीम भारत सरकार से पीएमजीएसवाई की योजनाओं की स्वीकृति व आवंटन कराने के लिए समन्वय का काम करेगी। जेएसआरआरडीए अपने अधीनस्थ इंजीनियरों को इसके लिए प्रतिनियुक्त करेगा। झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पीएमजीएसवाई से सड़कों का जाल बिछाने की योजना चल रही है। 250, 500 व 1000 बसावटों वाले गांव तक सड़क बनायी जा रही है। वहीं, अब 100 की आबादी वाले गांव में भी पीएमजीएसवाई से सड़कें ली जानी हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए अलग से रोड व ब्रिज परियोजनाएं चल रही है। झारखंड में करीब दो साल पहले पीएमजीएसवाई से नयी सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति मिली थी। ऐसे में नये सिरे से स्वीकृति के लिए डीपीआर तैयार करने का भी निर्देश दिया गया है।

झारखंड टेट के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

रांची : झारखंड एकेडेमिक काउंसिल (जैक) ने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टेट) परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ा दी है। अब उम्मीदवार 26 अगस्त तक आवेदन जमा कर सकते हैं। पहले टेट परीक्षा के लिए आवेदन भरने की अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित थी लेकिन सर्वर में आयी खराबी के कारण जैक ने आवेदन भरने की लास्ट डेट को बढ़ाने का फैसला लिया। टेट एग्जाम के लिए 23 जुलाई से ही ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रक्रिया जारी है। अब तक इस परीक्षा के लिए लगभग साढ़े तीन लाख अभ्यर्थी आवेदन दे चुके हैं। ऐसे करें आवेदन जीटेट 2024 आवेदन पत्र भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट jactetportal.com पर जायें। वेबसाइट के होम पेज पर आपको अभी पंजीकरण करें के लिंक पर क्लिक करें और अपना रजिस्ट्रेशन कराये। रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी फिर से लॉग इन करके बाकी डिटेल भरें और एप्लिकेशन सब्मिट कर दें। इसके बाद आवेदन शुल्क जमा करें। फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर अपने पास रख लें।

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा

रांची : अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार की अदालत ने बुधवार को शादी का झांसा देकर युवती का चार साल तक शारीरिक शोषण करने के दोषी चंदन साव को 10 साल की सजा और 15 हजार का जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। यह मामला वर्ष 2020 का है। युवती ने महिला थाना में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। मामले में अपर लोक अभियोजक मीनाक्षी कंडुलना ने अभियोजन की ओर से मजिस्ट्रेट सहित आठ गवाह पेश किये। चंदन साव को अदालत ने 19 अगस्त को दोषी करार दिया था और फैसला के लिए 21 अगस्त की तिथि निर्धारित की थी।

हाई कोर्ट में राजा पीटर की अर्जी पर हुई आंशिक सुनवाई

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में दो सरकारी गवाहों का क्रॉस एग्जामिन के लिए अनुमति मांगे जाने वाली पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर की अर्जी पर बुधवार को आंशिक सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले को सक्षम बेंच में भेजने का निर्देश दिया है। मामले के आरोपित राजा पीटर ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर एनआईए की ओर से बनाए गए दो सरकारी गवाह का क्रॉस एग्जामिन करने का आग्रह किया है।

युवा आक्रोश रैली से चुनावी समर का शंखनाद करेगी बीजेपी, भाजयुमो करेगा कार्यक्रम का नेतृत्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी चुनावी मोड में आ चुकी है। पार्टी ने चुनाव को लेकर रणनीति तैयार कर ली है। 23 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में होनेवाली युवा आक्रोश रैली से बीजेपी के चुनावी समर का शंखनाद होगा। रैली को लीड करने की जिम्मेवारी भारतीय जनता युवा मोर्चा यानि भाजयुमो के कंधे पर है। पर रैली को प्रदेश बीजेपी के शीर्ष नेताओं तथा मोर्चा का बैक सपोर्ट रहेगा। रैली को लेकर हजारीबाग से बीजेपी सांसद पहले ही कह चुके हैं कि हजारीबाग से 20 हजार से अधिक युवा रांची में होनेवाली रैली में हिस्सा लेंगे। बता दें कि आज भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में आगामी 23 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में आहूत युवा आक्रोश रैली को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय से बुधवार को प्रचार वाहन रवाना हुआ। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने झंडा दिखाकर वाहन को रवाना किया।

बड़कुंवर गगराई ने की है युवाओं से अपील

युवा आक्रोश रैली को लेकर बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई ने पश्चिमी सिंहभूम के हर क्षेत्र में युवाओं से जनसंपर्क और अपील कर रैली में हिस्सा लेने को कहा है। गगराई ने कहा कि युवाओं को राज्य सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लेना चाहिए जिससे राज्य सरकार की कमियों को जनता के समक्ष लाया जा सके। गागराई ने आरोप लगाया की चुनाव से पूर्व उन्होंने जिस प्रकार मुंगेरीलाल के हसीन सपने झारखंडी युवाओं को दिखाए थे उसका क्या हुआ। उन्होंने कहा कि बीते 4 वर्षों से हेमंत सरकार झारखंड की भोली-भाली जनता को ठगकर केवल तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं।

सत्ता हासिल करना बीजेपी का लक्ष्य

बीजेपी राज्य में 2024 में होनेवाले विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में काबिज होना चाहता है। पार्टी अपना यह लक्ष्य जाहिर कर चुका है। बीते दिनों हरमू स्थित स्वागतम बैंक्वेट हॉल में आयोजित पार्टी के 515 मंडल अध्यक्षों की बैठक में पार्टी के प्रदेश संगठन प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि जनता तैयार बैठी है। हमें केवल दरवाजे-दरवाजे दस्तक देने की जरूरत है। अपनी नाकामियों और विफलताओं के भार से यह सरकार दब चुकी है। उन्होंने कहा कि हमें 2024 में नेता प्रतिपक्ष नहीं बल्कि नेता सदन चुनना है।

हर जिले में चल रही तैयारी

भाजयुमो की युवा आक्रोश रैली को सफल बनाने की व्यापक तैयारी है। रैली के लिए हर जिले से युवाओं को शामिल कराने में बीजेपी जुटी। बीजेपी किसान मोर्चा भी रैली में किसानों को अधिक से अधिक संख्या में जुटाने में लगा हुआ है। इस रैली के बहाने जहां बीजेपी अपनी ताकत दिखायेगी, वहीं कार्यकर्ताओं में भी नयी ऊर्जा भरेगी। बूथ जीतो और चुनाव जीतो का मूलमंत्र इस बार भी बीजेपी की चुनावी रणनीति का हिस्सा होगा। शुक्रवार को होनेवाली भाजयुमो की इस रैली से पता चल जायेगा कि चुनावों के लिए बीजेपी की तैयारियां कितनी व्यापक है और किस जिले के किस नेता की रैली में भीड़ जुटाने की क्षमता कितनी है।

कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर अदालत ने लगाया जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर याचिकाकर्ता रंजीत कुमार उर्फ रंजीत कुमार केशरी उर्फ रंजीत साहू पर दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना की राशि रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची को भुगतान करने को कहा गया है। यह जुर्माना तय समय पर कोर्ट में सरेंडर नहीं करने और समय मांगने पर अदालत ने लगाया है। अदालत ने याचिकाकर्ता (धोखाधड़ी मामले के आरोपी) रंजीत साहू को बीते 25 जुलाई को अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान की थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता संबंधित कोर्ट में दो सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का निर्देश दिया था। लेकिन दो सप्ताह बाद भी सरेंडर नहीं किया। याचिकाकर्ता के वकील अविनाश कुमार पांडे ने सरेंडर करने के लिए और समय की मांग करते हुए याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि जमानतदार की व्यवस्था न होने और सरेंडर की तारीख के बारे में जानकारी के अभाव के कारण आदेश का पालन नहीं कर सका। इसलिए जमानत बॉड प्रस्तुत करने के लिए सरेंडर की अवधि बढ़ाने की प्रार्थना करते हुए याचिका दाखिल की। अदालत ने सुनवाई पश्चात अंतिम अवसर देते हुए दो हजार रुपए के भुगतान की शर्त पर सात दिनों के अंदर न्यायालय के समक्ष सरेंडर करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता के खिलाफ राजीव रंजन नामक व्यक्ति ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए साल 2021 में कोर्ट केस किया है।

हाई कोर्ट से राज्यसभा चुनाव हॉर्स ट्रेडिंग मामले में राजकुमार अग्रवाल को राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट से वर्ष 2011 के राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग मामले में आरोपित सीता सोरेन के साथ सह आरोपी राजकुमार अग्रवाल को बुधवार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने राजकुमार अग्रवाल के खिलाफ सीबीआई कोर्ट में चल रही ट्रायल को निरस्त कर दिया। राजकुमार अग्रवाल ने निचली अदालत में मामले से संबंधित चल रहे केस वह चुनौती देते हुए कहा था कि आयकर विभाग ने उन्हें पैसा बरामद मामले में क्लीन चिट दे दी है, यह पैसा उनका नहीं है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि आयकर विभाग ने वर्ष 2016-17 में राज्यसभा चुनाव 2011 के समय बरामद 2.15 करोड़ रुपये को उनका नहीं बताया था। आरोप लगाया गया था कि जो पैसा पकड़ाया था उससे सीता सोरेन को घूस दिए जाने की बात कही गई थी।

चूंकि, आयकर विभाग ने वह पैसा उनका नहीं बताया है। इसलिए घूस देने की बात गलत है। इसलिए उनके खिलाफ सीबीआई कोर्ट में क्रिमिनल केस नहीं चलना चाहिए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलील सुनते हुए सीबीआई कोर्ट में उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव 2011 के दिन आयकर विभाग ने नाकेबंदी में नामकुम में एक इनोवा गाड़ी से 2.15 करोड़ रुपये बरामद किया था। पूछताछ में पता चला कि यह पैसा राजकुमार अग्रवाल के जमाई ने एक जमीन के डील के लिए जमशेदपुर से भेजी है।

हाई कोर्ट ने डीएसपीएमयू के तृतीय वर्गीय कर्मी के मामले में मांगा जवाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के तृतीय वर्गीय कर्मी के वेतन भुगतान को अत्यधिक बढ़कर भुगतान राशि की वसूली का पत्र निकाले जाने को खिलाफ दायर याचिका की बुधवार को सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने वित्त विभाग एवं मानव संसाधन विभाग और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी मनोज किड़ो की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इसी तरह के एक मामले में हाई कोर्ट ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के द्वारा कर्मियों के अत्यधिक वेतन की वसूली को लेकर निकल गए पत्र पर रोक लगा दी थी लेकिन पुनः विश्वविद्यालय के द्वारा 17 अगस्त को रिकवरी प्रक्रिया में शुरू करते हुए उन्हें शोकॉज नोटिस जारी किया गया है जबकि हाई कोर्ट ने मनोज कुमार सहित 37 अन्य विश्वविद्यालय कर्मियों के मामले में याचिकाकर्ता को 22 अगस्त तक अपना रिप्रेजेंटेशन श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय को देने और विश्वविद्यालय को उसपर पुनर्विचार करने को कहा था। तब तक अत्यधिक वेतन वसूली से संबंधी विश्वविद्यालय के आदेश पर रोक रखी थी और याचिका निष्पादित कर दी थी लेकिन 22 अगस्त तक रिप्रेजेंटेशन देने के पहले ही याचिकाकर्ता को शो कॉज नोटिस जारी करते हुए रिकवरी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जो हाई कोर्ट के पूर्व के आदेश की अवमानना है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय ने तृतीय और चतुर्थवर्गीय कर्मियों को अत्यधिक वेतन भुगतान वापसी के संबंध में पत्र जारी करते हुए कहा था कि सातवें वेतनमान के तहत विश्वविद्यालय ने उन्हें अधिक वेतन भुगतान कर दिया है। इसलिए उन्हें किए गए अत्यधिक वेतन को वापस करना होगा। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार ने पैरवी की। अधिवक्ता राजेश कुमार ने कोर्ट को बताया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय ने सातवें वेतनमान के तहत प्रार्थी को 13 लाख रुपये अधिक का भुगतान किए जाने के संबंध में पत्र निकाला है। कहा है कि उन्हें सप्तम वेतनमान के तहत अधिक भुगतान कर दिया गया है, जिसकी वसूली की जाएगी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि विश्वविद्यालय का यह आदेश गलत है।

पीजीटी में अभ्यर्थी को मिले 252 नंबर की सीबीआई जांच हो : अमर बाउरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पीजीटी-2023 (झारखंड स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक) के रिजल्ट में गडबड़ी की शिकायत सामने आयी है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर जारी अंक पत्र से इसकी पुष्टि भी हो रही है। 100 अंकों के पेपर में कैंडिडेट को 252 नंबर दे दिए गए हैं। 78 प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले को 156 की जगह 88.23 अंक दिए गए हैं। इसे लेकर बवाल शुरू है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। बाउरी ने बुधवार को सोशल मीडिया (फेसबुक) पर कहा है कि हेमंत सरकार ने राज्य के युवाओं का भविष्य बेच दिया है। 100 अंकों के पेपर में अभ्यर्थी को 252 अंक दे दिये गये हैं। वहीं, 78 प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले अभ्यर्थी को 156 की जगह 88.23 अंक दिये गये हैं। पीजीटी में हुई भीषण गड़बड़ियों का मामला पहले दिन से लगातार भाजपा उठा रही है। अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट साफ दर्शाता है कि किस प्रकार राज्य के युवाओं के साथ खेल हुआ है। यही नहीं, नियुक्ति प्रक्रिया में कई अनियमितताएं हैं। इस मामले की सीबीआई जांच आवश्यक है। अमर बाउरी ने कहा है कि झारखंड सरकार राज्य के युवाओं के भविष्य को बेचने का पाप न करे। अविलंब मामले में सीबीआई जांच की अनुशंसा करें।

जन्माष्टमी पर होगा फैंसी ड्रेस और दही हांडी प्रतियोगिता : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला कृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से बुधवार को प्रेस वार्ता की गयी। इसमें जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित होनेवाले बाल गोपाल बाल राधा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, भजन संध्या एवं बहुप्रतीक्षित दही हांडी प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर चर्चा की गयी। मोरहाबादी स्थित सुविधा बैंक्वेट हाल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। मुख्य संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि पिछले 08 वर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्ण जन्मोत्सव के दो दिवसीय कार्यक्रम के भव्य आयोजन का निर्णय लिया गया है। 24 अगस्त को बाल गोपाल बाल राधा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। 25 अगस्त को भजन संध्या कृष्ण के जीवन आधारित नृत्य मंचन एवं पुरुष और महिला गोविंदा के दल के लिये दही हांडी प्रतियोगिता होगी। कहा कि इस वर्ष भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे। पुरस्कार वितरण करेंगे।

समिति के मुख्य संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत पहले दिन स्थानीय गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में बाल गोपाल तथा बाल राधा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। छह महीने से बारह वर्ष तक के बच्चों के लिए दो ग्रुप में आयोजन होगा। पहला ग्रुप छह महीने से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए होगा। दूसरा ग्रुप 6 वर्ष से 12 वर्ष तक के प्रतिभागियों के लिए होगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कलाकारों द्वारा कृष्ण के जीवन से संबंधित नृत्य का मंचन होगा। कृष्ण भजन संध्या का भी आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि दिनांक 25 अगस्त 2024 को बहुप्रतीक्षित दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष के ऊपर उम्र सीमा के लोगों के लिए होगा। पुरुष वर्ग के लिए हांडी की ऊंचाई 20 फीट एवं महिला वर्ग के लिए 17 फीट रखी जायेगी। पुरुष गोविंदा टीम के विजेता को एक लाख एक हजार हजार, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 41 हजार रुपये की नगद राशि मिलेगी। साथ ही तृतीय पुरस्कार के रूप में 21 हजार रुपये की नगद राशि एवं ट्रॉफी दी जाएगी। महिला प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार 55 हजार की नगद राशि, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 31 हजार नगद एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपये की नगद राशि और ट्रॉफी दी जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

मादक पदार्थ तस्करी के दोषी को दस साल की सजा और जुर्माना

रांची : प्रधान न्यायायुक्त सह एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को मादक पदार्थ तस्करी मामले में दोषी दुखहरण साहू को दस साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर दो लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर उसे दो साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। दोषी चान्हो थाना क्षेत्र के चोरेया गांव निवासी है। इस मामले के एक आरोपी सबीर अंसारी को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में अदालत ने बरी कर दिया है। चान्हो पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 11 मार्च, 2023 को छापेमारी कर आरोपी के पास से दो किलो गांजा, 40 पीस कफ सीरप और 14 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया था। घटना को लेकर चान्हो के तत्कालीन थाना प्रभारी रंजय कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में सुनवाई के दौरान पीपी अनिल कुमार सिंह ने अदालत के समक्ष सात गवाहों को प्रस्तुत किया गया था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मादक पदार्थ तस्करी समाज पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है। इससे युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। ऐसे आरोपियों को सजा देना न्याय के हित में होगा।

पब्लिक सेक्टर एक्सिलेंस अवॉर्ड से सम्मानित हुआ मेकॉन

रांची : मेकॉन को सर्वश्रेष्ठ मिनीरत्न केंद्रीय पीएसयू श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित 'डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पब्लिक सेक्टर एक्सिलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। भारत में इस्पात उद्योग के लिए इंजीनियरिंग कंसल्टेंट के रूप में वर्ष 1959 में स्थापित मेकॉन ने धातु, ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कई क्षेत्रों में सम्पूर्ण समाधान इंजीनियरिंग परामर्शी संगठन के रूप में खुद को स्थापित किया है। मेकॉन के सेवा पोर्टफोलियो में अवधारणा, इंजीनियरिंग, खरीद, परियोजना प्रबंधन, डायग्नोस्टिक अध्ययन, मूल्य वर्धित सेवाएं, ईपीसी निष्पादन, ओ एंड एम सेवाएं शामिल हैं। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट, एक अग्रणी वैश्विक बी2बी एनालिटिक्स और बिजनेस इंटेलिजेंस समाधान प्रदाता ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में पीएसयू और सरकारी शिखर सम्मेलन के अपने 16वें संस्करण की मेजबानी की। शिखर सम्मेलन में इंडिया@2047 विजनः पावर्ड बाई रिसर्जेंट पब्लिक सेक्टर विषय पर गहन चर्चा हुई। जिसमें प्रमुख केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को उनके व्यावसायिक उत्कृष्टता और मंत्रालयों को उनकी अभिनव पहलों व योजनाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस शिखर सम्मेलन में मेकॉन लिमिटेड की ओर से संजय कुमार वर्मा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मेकॉन ने पुरस्कार प्राप्त किया।

सावन पूर्णिमा के उत्सव पर सिमलिया सुकरा महादेव मंदिर में किया गया महाभंडारे का आयोजन

रांची : रातु प्रखंड के सिमलिया नयाटोली सुकारा महादेव मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी व सावन पूर्णिमा के अवसर पर महाभंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर विकास समिति के मास्टर सेन दत्ता एवं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सुकरा महादेव मंदिर में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने दूध व जल से शिवलिंग का जलाभिषेक कर फल-फूल, बेलपत्र आदि चढ़ाया। पूजा के दौरान बोल बम, हर हर महादेव जैसे महादेव के जयकारे से शिवालय गुंजायमान रहा। लोगों ने अपने परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं राष्ट्रवादी सह भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह ने भी समाजसेवी पत्नी रूबी सिंह के साथ शिवालय में शिवलिंग का जल व दूध से जलाभिषेक कर फल-फूल, बेलपत्र, प्रसाद आदि चढ़ाया। तथा भगवान भोलेनाथ से अपने परिवार, क्षेत्र, राज्य व राष्ट्र के सुख-समृद्धि, शांति व अमन-चैन की कामना की। मंदिर विकास समिति के मास्टर सेन दत्ता एवं राष्ट्रवादी सह भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सावन की हर सोमवारी को भंडारे की आयोजन किया गया, तथा अंतिम सोमवारी के उत्सव पर महाभंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें पूड़ी, सब्जी व खीर परोसा गया। इस तरह का आयोजन होते देख क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित दिखे। भंडारे को सफल बनाने में मुख्य रूप से मामा जी, शिक्षक सेन दत्ता, कमलेश ठाकुर, मुन्ना वर्मा, रवि प्रजापति, संजय गोप, पप्पू तिवारी, रंजीत कुमार, धनंजय गोप, रामबचन, अनिल गुप्ता, सहानन्द जी, बबलू साहू के साथ अन्य बाबा के भक्त शामिल रहे।

31 अगस्त तक करा सकेंगे फसल बीमा

रांची : बिरसा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) अन्तर्गत किसानों का बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत खरीफ फसल-2024 के लिए फसल बीमा कराया जा रहा है। इसका लाभ लेने को सभी जिलों में सूचना जारी की जा रही है। इसका लाभ लेने को इच्छुक किसान नजदीकी प्रज्ञा केन्द्र जा सकते हैं। ऐसा संभव ना हो तो पोर्टल www.pmfby.gov.in पर ऑनलाइन स्वतः आवेदन farmer login के माध्यम से दे सकते हैं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक है। पंजीकरण में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राजस्व पदाधिकारी द्वारा निर्गत भूमि प्रमाण पत्र (नवीनतम) चाहिए। तत्काल उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मुखिया या प्रधान से सत्यापित वंशावली एवं भूमि विवरणी, बटाई प्रमाण पत्र (नोटराईज्ड शपथ पत्र), स्वसत्यापित फसल बुआई प्रमाण पत्र और मोबाईल नम्बर की भी जरूरत रजिस्ट्रेशन के समय होगी। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को एक रुपये की टोकन राशि का भुगतान करना होगा। योजना के तहत खरीफ फसल अंतर्गत अगहनी धान के लिए 65500 रुपये प्रति हेक्टेयर एवं भदई मकई के लिए 50750 रुपये प्रति हेक्टेयर का बीमा किया जाएगा।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी।

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए 'प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों' की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गांधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्यालय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटिक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया 'पीछे के दरवाजे से भर्ती' है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी?

अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थी: संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खडगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है।

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

अस्पतालों में सुरक्षा

स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को केंद्र सरकार के अस्पतालों की सुरक्षा तैनाती में 25 फीसद वृद्धि को मंजूरी दे दी। कोलकाता के रेप और हत्या मामले में डॉक्टरों की हड़ताल से देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं, और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़.रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मार्शलों की तैनाती को भी मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते सुरक्षा समीक्षा में ऐसा किया जाना जरूरी लगे। हालांकि इस व्यवस्था से स्थिति में कोई ज्यादा अंतर नहीं आएगा क्योंकि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, केरल समेत 26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए पहले से ही कानून पारित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद इन राज्यों में स्वास्थ्य पेशेवरों पर हमले जैसी घटनाएं बराबर रिपोर्ट होती रही हैं। वे भी तब जब इन सभी राज्यों में ऐसे अपराध सोब और गैर-जमानती श्रेणी में हैं। जाहिर है कि अस्पतालों में सुरक्षा का मसला लापरवाही का है। सुरक्षा तैनाती और बढ़ाने से पहले यह भी ध्यान में रखना होगा कि अस्पताल 'सार्वजनिक सुविधाएं' हैं, इसलिए उन्हें किले में तब्दील नहीं किया जा सकता। कोलकाता रेप एवं हत्या मामले पर मंगलवार को अस्पताल और पुलिस प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई। स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोलकाता घटना अपर्याप्त सुरक्षा की बजाय सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला ज्यादा प्रतीत होता है। आरोपी जिस प्रकार पहले भी अस्पताल में बेरोकटोक आता-जाता देखा गया, उससे लगता है कि सुरक्षा अमला पर्याप्त चौकस नहीं था, अपने कार्य में शिथिलता और लापरवाही का रवैया अपनाए हुए था। यदि मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को ही अच्छे से चाक-चौबंद कर दिया जाए तो चिंता करने का कोई कारण नहीं बच रहेगा। बेशक, कोलकाता की घटना ने देश भर को झकझोर डाला है, और डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य पेशेवरों का अपनी सुरक्षा को लेकर आंदोलित हो उठना स्वाभाविक है। उनकी मांग पर सरकार प्रोएक्टिव मोड़ में आ गई है, और सुरक्षा तैनाती में इजाफे को तत्पर है। लेकिन सुरक्षा अमले में लापरवाही का ढर्रा जारी रहा तो इस इजाफे का हासिल क्या होगा। जरूरी है कि सुरक्षा तंत्र को ज्यादा से ज्यादा कसा जाए और कार्य में लापरवाही पर जीरो टोलरेंस की नीति पर चला जाए।

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी, यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार ह्यआलाकमानह्ल सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरुद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेन्द्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं, जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाई होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाई हुई है, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्रवाई ही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गांधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुघ्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।' तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट से सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- 'आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।'

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि 'मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।'

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह (अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा का टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला।

-प्रो.संजय द्विवेदी

ग्लोबल साउथ को नेतृत्व की तलाश: कैसे होगा पूरा?

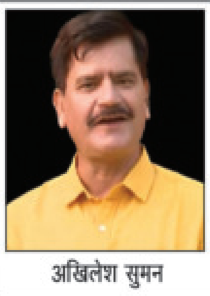

अखिलेश सुमन

दुनिया के विकसित देशों के लिए जी-7 जैसा एक प्रभावशाली संगठन है, जो वैश्विक नीतियों, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के मुद्दों पर गहन विचार विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लेता है। लेकिन विकासशील और पिछड़े देशों (जिन्हें ग्लोबल साउथ भी कहा जाता है) के लिए ऐसा कोई ठोस मंच नहीं है जहां वे अपनी आवाज बुलंद कर सकें और अपने हितों की रक्षा के बारे में चर्चा कर सकें। यह स्थिति ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ग्लोबल साउथ की चुनौतियाँ

ग्लोबल साउथ के देशों में अक्सर आर्थिक असमानता, बुनियादी ढांचे की कमी, भ्रष्टाचार और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव जैसी समस्याएं देखी जाती हैं।लोकतंत्र में अनावश्यक टकराव भी ग्लोबल साउथ की एक बड़ी चुनौती है। ये देश कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं, उन्हें जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा, और तकनीकी पिछड़ेपन जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट: उम्मीद की एक किरण

भारत ने 17 अगस्त को तीसरे ह्यवायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटह्ल का आयोजन किया, जिसमें विकासशील देशों के मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 लाख अमेरिकी डॉलर के ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट की घोषणा की, जो इन देशों के विकास, क्षमता निर्माण, और तकनीकी साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस शिखर सम्मेलन में 123 देशों के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से शिरकत की। सबसे खास बात तो यह कि इसमें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस भी शामिल हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि शामिल देशों के प्रतिनिधियों ने काफी शिद्दत से अपने विचार पेश किए और अपनी समस्याएं भी बताई। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें टकराव भी नहीं दिख रहा था।

यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए एक मजबूत नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में इन देशों के लिए एक प्रभावशाली मंच के रूप में उभर सकता है। इसके पहले भी भारत ने अपनी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान की थी, एक जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले 12-13 जनवरी 2023 को और दूसरा जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद 17 नवंबर को। भारत की कोशिश यह थी कि वो जी-20 में ग्लोबल साउथ की आवाज को पेश कर सके और शिखर सम्मेलन के बाद ग्लोबल साउथ के देशों को जी-20 शिखर सम्मेलन में क्या हुआ इसके बारे में बताए। पहले और दूसरे वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में 125 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

संगठन की जरूरत क्यों

विकसित देशों के प्रभावी संगठनों के मुकाबले, ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भी एक मजबूत और प्रभावशाली संगठन की आवश्यकता है। इस संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर अपनी समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी आवाज को और मजबूत बना सकते हैं। यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म बन सकता है, जहां वे अपनी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को साझा कर सकते हैं और उनके क्रियान्वयन में सहयोग कर सकते हैं।

किसने ली पहल

अभी तक ग्लोबल साउथ को एकजुट करने के बारे में सिर्फ भारत ने पहल ली है। ग्लोबल साउथ के ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रवांडा, श्री लंका सहित अन्य देशों को सामने आना पड़ेगा। इतिहास ने देखा है कि चीन और पाकिस्तान जैसे देश साझे मंचों पर अपनी अति स्वार्थ वाली बातों के अलावा सामूहिक चिंता में कोई सहयोग नहीं किया है और पाकिस्तान का काम हर संभव मंच पर भारत विरोध करना। लेकिन ग्लोबल साउथ के अन्य देश विकास, रोजगार और लोकतंत्र के लिए कराह रहे हैं। उन्हें जरूरत है वायस ऑफ ग्लोबल साउथ की।

अलग हैं गुटनिरपेक्षता और वायस ऑफ ग्लोबल साउथ

कुछ लोगों का मानना है कि ग्लोबल साउथ की बातों से मौजूदा दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की झलक मिलती है। लेकिन दोनों में काफी फर्क भी है। जहां गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव शीत युद्ध के समय हुआ था, जब दुनिया दो ध्रुवों में बंटी हुई थी–एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में पूंजीवादी ब्लॉक और दूसरी तरफ सोवियत संघ के नेतृत्व में समाजवादी ब्लॉक–वहीं, ग्लोबल साउथ आज के जटिल वैश्विक परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता तलाश रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव 1950 और 1960 के दशक में हुआ, जब कई देश उपनिवेशवाद से आजाद हुए थे और वे शीत युद्ध के दो ध्रुवों में से किसी एक के साथ जुड़ने से बचना चाहते थे। उनका उद्देश्य था कि वे स्वतंत्र रूप से अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकें और वैश्विक राजनीति में अपनी स्वायत्तता बनाए रख सकें। इसके विपरीत, ग्लोबल साउथ का उद्देश्य ध्रुवों के पचड़े से अलग दुनिया के सभी ध्रुवों के साथ मिलकर अपने विकास, आवश्यकताओं और चिंताओं का निराकरण करना है।

जी-20 और ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता

जी20 ने ग्लोबल साउथ और विकसित देशों के बीच एक पुल बनाने की कोशिश की है, लेकिन यह पूरी तरह से ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता। इसकी सीमा इस तथ्य में निहित है कि यह संगठन न तो पूरी तरह से जी झ 7 के हितों का प्रतिनिधित्व कर सकता है, न ही ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दे सकता है। इस कारण, ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि यह वह मंच है जहां विकासशील देश अपनी आवाज को पूरी ताकत के साथ उठा सकते हैं और अपने मुद्दों पर केंद्रित रह सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने के निर्णय का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा कांग्रेस कमिटी ने भारत बन्द का समर्थन करते हुए रांची मूरी - मार्ग को बाधित किया कांग्रेस नेताओं ने केन्द्र सरकार पर एस सी ,एस टी के अपमान करने का आरोप लगाया एव खेलवाड़ करना बन्द करो, केन्द्र सरकार हाय - हाय का शोषण करना बन्द करो का नारा लगया गया । वही कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष एतवा उरांव ने बन्द का समर्थन करते हुए कहा कि एस सी एस टी के आरक्षण में वर्गीकरण पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय एससी-एसटी समाज के उत्थान एवं मजबूती के मार्ग में बाधक है उन्होंने आदिवासी समाज को एकजुट होने को कहा । भारत बन्द का समर्थन देने पहुंचे थे साकीर अंसारी विधायक प्रतिनिधि शिक्षा विभाग सिद्धीक अंसारी प्रतिनिधि वन विभाग श्रद्धा सरना समिति गेतलसूद के अध्यक्ष सह युवा समाजसेवी अजय उरांव सफीक अंसारी प्रतिनिधि खाद्य विभाग सह अल्पसंख्यक अध्यक्ष पंचायत अध्यक्ष सोहन करमाली युवा नेता जोन तिग्गा, छोटेलाल करमाली, रोहित नायक, अशोक बेदिया, रबानी राज, दुतीलाल करमाली महिला अध्यक्ष सरीता देवी रांची जिला ग्रामीणा कोऑर्डिनेटर अनीता मुण्डा सहित यूनूस अंसारी, बाली महली, कृष्णा महली, समीम खान, दशरत पाहन, गणेश भोगता, सुखदेव लोहरा, नायूम अंसारी, दुलाल बेदिया, नीरज मुण्डा, मोहन उरांव, दूतीलाल करमाली, बिरेन्द्रर मुण्डा सहित मिडिया प्रभारी कुलेश्वर मुण्डा आदि शामिल थे।

एक नजर

आईसीटी इंस्ट्रक्टर के लिए रिफेशर प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

गुमला : गुमला जिले के 26 चयनित विद्यालयों के 483 बच्चों को स्क्रेच कोडिंग सिखाने के उद्देश्य से सिकछा कर भेंट गतिविधि अंतर्गत आज दिनांक 21 अगस्त 2024 को जिला मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, गुमला में जिले के चयनित आईसीटी इंस्ट्रक्टर के लिए रिफेशर प्रशिक्षण का आयोजन जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां की अध्यक्षता में किया गया । इस प्रशिक्षण हेतु विषेश रूप से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दुमका से विषेश प्रशिक्षक के रूप में कौशल किशोर पाण्डेय उपस्थित है। जिला शिक्षा अधीक्षक, गुमला एवं कौशल किशोर पाण्डेय के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिक्षक द्वारा स्क्रेच कोडिंग से बच्चों की क्रिएटिविटी में विकास होने की जानकारी देते हुए सभी से अनुरोध किया गया कि प्रशिक्षण में बेहतर तरीके से सहभागी होते हुए स्क्रेच कोडिंग से संबंधित बताई जा रही चीजों को ग्रहण करें ताकि अपने विद्यालय के आई0सी0टी0 लैब में बच्चों को बेहतर प्रशिक्षण दे सके। सहायक नोडल पदाधिकारी दिलदार सिंह द्वारा सभी को जानकारी देते हुए बताया गया की आज के आधुनिक समय में कम्प्यूटर की दुनिया में भविष्य बनाने हेतु कोडिंग सीखना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण के पश्चात सभी चयनित आई0 सी0 टी0 इंस्ट्रक्टर अपने विद्यालयों के चयनित बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे, जिसके लिए जिला स्तर से आई0 सी0 टी0 प्रभारी रामचंद्र सिंह को प्रभारी बनाया गया है। विद्यालयों में प्रशिक्षण के उपरान्त उत्कृष्ट बच्चों का चयन करते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

गेतलसूद डैम के दो गेट तीन-तीन इंच खोले गए

अनगड़ा : प्रखंड अंतर्गत गेतलसूद डैम का पानी रेड जोन्न से उपर चला गया है। इस कारण तीन तीन इंच खोला गया और पानी का बहाव तेज होने से देखने योग्य दृश्य है लोग दूर दराज से देखने पहुंच रहे है। बता दें कि (गेतलसूद बांध) भारत के झारखंड राज्य की राजधानी रांची में स्थित अनगडा गेतलसुद नामक स्थान पर एक कृत्रिम जलाशय है, जो कि झारखंड का सबसे बड़ा डैम हैं। यह डैम सुवर्णरिखा नदी में बना है और इसे 1971 में खोला गया था। यह रांची और रामगढ़ जिले के निवासियों के लिए एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। बांध का मुख्य उद्देश्य रांची के निवासियों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करना है। इसके अलावा, इसका उपयोग औद्योगिक उद्देश्यों और बिजली पैदा करने के लिए भी किया जाता है। यह डैम रुक्का डैम के नाम से भी जाना जाता है।

आदिवासी मूलवासी संघर्ष समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आदिवासी मूलवासी संघर्ष समिति के द्वारा आर्या स्टील, मास्टर होटल में समिति के अध्यक्ष प्रकाश लकडा के अध्याछता में बैठक किया गया, जिसका संचालन समिति के उपाध्यक्ष प्रदीप तिर्की ने किया आगामी दिनांक 27 अगस्त दिन मंगलवार को प्रखंड कार्यालय में भ्रस्ताचार मुद्दों को लेकर, किया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने बारी बारी से रांची क्षेत्र के समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही नामकुम ब्लॉक घेराव करने के बाद, अनगड़ा व अन्य 18 ब्लॉक में घेराव कार्यक्रम भी बहुत जल्द करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर समिति के सचिव नन्हें, जिला परिषद सदस्य विपिन टोप्पो कच्छप, चामू बेक, (प्रधान) सुनील लकड़ा, लक्ष्मण लकड़ा, प्रकाश लकड़ा (पूर्व सैनिक) पास्कल लकड़ा, थियोफिल सांगा, दशरथ लोहारा, मतियाश तिर्की, मधु सिंह बिंझिया, दीपा देवी, धीरज नाग, संकर तांती, मंगल सिंह टोप्पो,अरुण पाहन, नागूलाल महतो, मादी टोप्पो, मदन तिग्गा, सुनील लकड़ा, मदन टोप्पो, उत्तम गोप, सूरज लकड़ा वा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

एससी-एसटी सब क्लासिफिकेशन के विरोध में उतरी जेबीकेएसएस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अनुसूचित जाति और जनजाति मैं सब क्लासिफिकेशन को लेकर राज्य में बंदी का असर रहा। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने भी बदी समर्थन किया। बुधवार को एसटी एससी आरक्षण वर्गीकरण सुप्रीम कोर्ट फैसला मामले पर भारत बंद को समर्थन देते हुए जेबीकेएसएस केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष सह जेएसएसयू प्रमुख देवेन्द्र नाथ महतो अपने समर्थकों के साथ सुबह से ही सिल्ली विधान सभा के राहे, सोनाहतु, सिल्ली प्रखंड के विभिन्न क्षेत्र और राजधानी रांची के सड़कों में नारे लगाए। मौके पर जगह जगह देवेंद्र नाथ महतो और पुलिस प्रशासन के बीच बकझोक हुआ। फिर भी असरदार बंदी को लेकर डेट रहे। संगठन के वरीय उपाध्यक्ष महतो ने कहा कि अगर आज एसटी एससी आरक्षण में क्रिमिलेयर को स्वीकार करते हैं तो आने वाले दिनों में ओबीसी वर्ग के साथ आरक्षण में क्रिमिलेयर लगाकर जैसे धोखा दिया जा रहा है वैसे ही एसटी एससी के साथ भी धोखा होगा। ओबीसी वर्ग को केंद्र में 27 प्रतिशत आरक्षण प्रावधान होने के बावजूद ओबीसी समाज से विभिन्न विभागों में आईएएस, आईपीएस, सचिव, जज , कुलपति शून्य हैं या नगण्य हैं। आजादी के 78 साल बीतने के बावजूद आज भी एसटी एससी ओबीसी समाज के लोगों के साथ भेदभाव, शोषण, जुर्म, वंचित किया जाता है इसीलिए आरक्षण में क्रिमिलेयर को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जायेगा। साथ देवेन्द्र नाथ महतो माननीय सुप्रीम कोर्ट से आरक्षण वर्गीकरण फैसला को वापस करने का मांग किया है। तथा केंद्र सरकार से मांग किया है कि ओबीसी आरक्षण से भी क्रीमीलियर को हटकर एसटी एससी ओबीसी आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल किया जाय।

चाची की हत्या के मामले में रंथु उरांव को आजीवन कारावास की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला व्यवहार न्यायालय के ए. डी .जे .वन (प्रथम) प्रेम शंकर की अदालत ने गुमला सदर थाना निवासी मनियां देवी (पति- बन्धन उरांव) के अपने भतीजे ने अपनी ही चाची के हत्यारे, रंथु उरांव को एडीजे प्रेम शंकर की अदालत ने न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों के व्यानों और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के दलीलें सुनने के बाद उक्त हत्यारे रंथु उरांव को दोषी करार देते हुए धारा भादवि 302/34 के अंतर्गत आजीवन कारावास और दस हजार रूपया जुमार्ना की सजा सुनाई हैं, साथ ही साथ उक्त जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 6 (छह) माह की अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा अभियुक्त रंथु उरांव को भुगतना होगा। ज्ञातव्य हैं की मृतिका मनियां देवी के पति बन्धन उरांव ने उक्त हत्या से संबंधित प्राथमिकी गुमला सदर थाना में दर्ज कराते हुए बताया था की हम दोनों पति-पत्नी अपने नये घर का साफ-सफाई कर रहे थे इसी क्रम में दिन के लगभग 12.50 बजे मेरी पत्नी अपने पुराने घर से गैस सिलेंडर लाने जा रही थी। इसी क्रम में भूमि विवाद को लेकर और रास्ते में घात लगाकर बैठे भतीजे रंथु उरांव ने दवली (हसुआ) से गर्दन रेतकर दिनदहाड़े हत्या कर फरार हो गया हैं, इसी प्राथमिकी के आधार पर आज उक्त हत्यारे भतीजे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने निकाला मशाल जुलूस

चैनपुरः भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शशांक राज के निदेर्शानुसार मंडल अध्यक्ष बुधराम नायक और युवा मोर्चा अध्यक्ष शशिभूषण प्रसाद सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी 23 अगस्त को रांची में होने वाली युवा आक्रोश रैली सह मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम के मद्देनजर मशाल जुलूस निकाली गई। मशाल जुलूस स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर से निकलकर बस स्टैंड में समाप्त हुई। जुलूस में मंडल के भाजपाई हेमंत सोरेन होश में आओ, हेमंत सोरेन होश मुदार्बाद,युवाओं को रोजगार देना होगा, भारत माता की जय, हेमंत सोरेन गद्दी छोड़ो,23 अगस्त को रांची चलो,के नारे लगाए। वहीं युवा मोर्चा में मंडल अध्यक्ष शशिभूषण प्रसाद सिंह ने कहा कि वर्तमान की हेमंत सोरेन की ठगबंधन सरकार ने युवाओं को रोजगार देने की बजाय ठगने का कार्य किया है।चारो तरफ भय और भ्रष्टाचार का आलम है। वहीं जिला के उपाध्यक्ष अवधेश प्रताप शाहदेव ने हेमंत सोरेन के गठबंधन की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उनकी नाकामियों लोगों के समक्ष रखा और कहा कि यह सरकार हर मुद्दे पर असफल रही है। मशाल जुलूस में मुख्य रूप से नीरज शर्मा,अमित किशोर पाण्डेय मनोहर बड़ाइक कौशल केशरी, अरविंद मौर्य, कृष्णा प्रसाद मुकेश कुमार मधु सिंह गणेश प्रसाद,शिवम केशरी निरंजन कुमार महिंद्रा ठाकुर जगेश्वर रोतिया सतीश नायक बिट्टू कुमार संगीता देवी मंजू देवी,इला देवी अनीता देवी चंद्रकिरण देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

युवा आक्रोश रैली के पूर्व युवा मोर्चा ने निकाला मशाल जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : आगामी 23 अगस्त को भाजयुमो प्रदेश मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास घेराव कार्यक्रम के पूर्व युवा मोर्चा गुमला जिला द्वारा शहर के मुख्य मार्ग में विशाल मशाल जुलूस निकालकर भ्रष्ट्र राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ एकजुट होने के लिए जनता से समर्थन मांगा। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पुराना नगर पालिका परिसर में एकत्रित होकर हाथों में मशाल-तख्ती लेकर शहर के मुख्य मार्ग में राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की वंदे मातरम- भारत माता की जय,इंकलाब जिंदाबाद का उदघोष किया। टावर चौक गुमला में मशालजुलूस सभा में तब्दील हो गया। मशाल जुलूस की अगुवाई कर रहे युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप प्रसाद ने कहा लूट और झूठ की बुनियाद पर बनी ठगबंधन की इस सरकार ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है, 5 लाख सरकारी नौकरी का वादा करने वाली हेमंत सरकार ने 5 साल में 5000 भी नौकरी नहीं दे पाई। हर महीने बेरोजगारी भत्ता 5000 से लेकर 7000 रु.देने का वादा किया था लेकिन झूठ बोलने वाली सरकार ने भत्ता के नाम से राज्य की युवाओं को फूटी कौड़ी नहीं दिया! अपने घर की तिजोरी भरने के लिय पेपर लीक करवा कर लाखों युवाओं का भविष्य चौपट कर दिया। लाठियां के मार से राज्य के युवा दर्द से अभी तक कराह रहे हैं। राज्य के युवाओं ने ठान लिया है,इस निक्कमी सरकार को बदलना है। जिला अध्यक्ष शिवप्रसाद साहू ने कहा गुमला जिला से हजारो भाजपा कार्यकर्ता संकल्पित होकर आगामी 23 अगस्त को युवा आक्रोश रैली में शामिल होंगे। युवाओं-आम जन का आक्रोश ही झारखंड से झामुमो और कांग्रेस के अत्याचार-तुस्टीकरण से मुक्ति दिलाएगा। जिलाध्यक्ष ने कहा भाजपा के राज्य में ही सुशासन आ सकता है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शिवप्रसाद साहू,पूर्व विधायक कमलेश अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर उरांव, जिला उपाध्यक्ष सयुंक्ता देवी, राधेश्याम कुशवाहा, हरिशंकर त्रिपाठी, निर्मल गोयल, विनोद कुमार, पूर्व जिला अध्यक्ष सविंद्र सिंह, अनूप चंद अधिकारी, सत्यनारायण पटेल, जिला महामंत्री यशवंत सिंह, राम अवतार भगत, भोला चौधरी, खुशमन नायक, शकुंतला उरांव, गौरी किंडो, बबलू वर्मा, शिवदयाल गोप, दामोदर कसेरा, सावित्री मेहता, दीप्ति कश्यप, सोनमणि उरांव, गुड्डी नंदा, छोटेलाल भगत, अरविंद मिश्रा, अनीता देवी, रामेश्वरी उरांव, पायल तिवारी, नीलम गुप्ता ललित गुप्ता, शम्भू नायक, विकास सिंह, किशोर मिश्रा, अनुप कुमार, उज्जवल मिश्रा, अविनाश कुमार, कौशलेंद्र जमुआर, हिमांशु केशरी, शंभू सिंह राजेश सिंह, राजकुमार राम, दिनेश चौधरी, संतोष सिंह, संजय साहू, बसंत उरांव, श्याम गुप्ता, हरिहर कुमार, सनोज वर्मा, सरयू प्रसाद, दीपांकर साहु, अनिकेत कुमार, अमन आनंद, हरमीत सिंह, संजीव कुमार, अजीत कुमार, संजय वर्मा, अशोक साहू, सुषमा गुप्ता, रेखा सिन्हा, सूर्या कुमार, सुमित कुमार, सुरेंद्र कुमार, अनमोल लाल, मनीष श्रवण, हरिहर कुमार, सुरेंद्र नारायण, सुमित कुमार,अजय उरांव, कुणाल गुप्ता, गणेश उरांव, पुष्पा देवी, बसंती देवी, रमेश राम, रीता देवी, गोपाल सिंह व अन्य ढेर सारे युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
(एन.आर.ई.पी.), चतरा।
Email Add: nrepchatra@gmail.com

शुद्धि–पत्र

एन. आर. ई. पी., चतरा के अन्तार्गत जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट DMFT मद योजना अन्तार्गत् ई–निविदा सूचना संख्या–EE/NREP/CHATRA/23/2024-25, दिनांक– 12.07.2024, जिसकी प्राप्ति की अंतिम तिथि 31.07.2024 है, जिसका P.R. No. 329495 है, उसमें निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :–

1. वेबसाइट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि 22.08.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 03.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 05.09.2024 पूर्वाह्न 2.00 बजे।
4. अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
एन.आर.ई.पी., चतरा।

PR 333252 (NREP) 24-25 (D)

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा।
(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

महाबुआंग थाना यु0डी0 काण्ड सं0–06/2024, दिनांक–19.08.2024 में घटना स्थल ग्राम–पुजारटोली गट्टीबान्दु रोग फेंका के पास नाला में, थाना–महाबुआंग, जिला–सिमडेगा से एक अज्ञात पुरूष का शव का बरामद किया गया है, जो दिनांक–19.08.2024 को सदर हॉस्पिटल, सिमडेगा में पोस्टमार्टम के पश्चात् शीतगृह, सिमडेगा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

अज्ञात शव का हुलिया एवं फोटो का विवरणी निम्नवत् है:–

लिंग:–पुरूष
आयु–करीब 30 वर्ष
ऊँचाई–करीब 5 फीट 6 ईंच
बाल–काला
शरीर–सामान्य

पहनावा– हरा रंग का टी–शर्ट में काला रंग का छाप, काला रंग का ट्राउजर, भूरे रंग का जांघिया पहना हुआ है एवं दाहिने हाथ में लाल धागा बांधा हुआ।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अज्ञात व्यक्ति का शव के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाश नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा मोबाइल नं0–9431116444
थाना प्रभारी, महाबुआंग मोबाइल नं0–8210365955
डी0सी0बी0 प्रभारी, सिमडेगा मोबाइल नं0–8709697066

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा।

PR 333343 Police(24-25)D

OFFICE OF THE DISTRICT EDUCATION OFFICE, LATEHAR
Website: www.latehar.nic.in

CORRIGENDUM

Office of the District Education Office, Latehar, decided to make following amendments/ Corrigendum in the **PR No. 332334 & NIB Ref No. 695 dated 08.08.24**

Bids are invited for the work of Selection of provider to deliver "Intervention & Support" Tutoring (Zenith) in Latehar District. The details are as follows :

Qualifications of Respondents	
DISCRIPTION	CORRIGENDUM (Correction)
The bidder should have valid documentary proof of GST registration in Jharkhand and PAN registration number	The bidder should have valid documentary proof of GST registration of other state will be expected during the technical evaluation but within a month bidder has to take GST registration of Jharkhand and Work order of the bidder will be issued after the sub mission of GST number of Jharkhand state.

Note : Last date for submission and receipt of Bid extended upto 24.08.2024 time before 10:30 am and further for any information can be seen in the **Website:** www.latehar.nic.in

Rest all others conditions specified in the RFP will remains unchanged.

District Education Officer,
Latehar

PR 333255 Human Resource Developement(24-25)#D

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग)
कार्यालय– जिला सहकारिता पदाधिकारी लोहरदगा

फसल बीमा हेतु आम सूचना

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखण्ड, राँची (सहकारिता प्रभाग) की अधिसुचना संख्या –916 दिनांक– 14.08.2024 द्वारा झारखण्ड राज्य में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है जिसमें अगहनी धान एवं भदई मकई को बीमा से आच्छादित किया गया है जिसकी अंतिम तिथि– 31.08.2024 तक ही है। फसल का बीमा कराने हेतु निम्न कागजात के साथ अपने क्षेत्र के प्रज्ञा केन्द्र, csc, schedule commercial bank, post office, intermediatries, insurance company (HDFC ergo) एवं योजना के पोर्टल www.pmfby.gov.in पर ऑनलाइन स्वतः आवेदन farmar login द्वारा बीमा कराया जा सकता है।

बीमा हेतु निम्नलिखित कागजात अपने साथ ले कर जाए:–

(1) किसानों द्वारा देय प्रीमियम राशि – 1/(एक) रूपया/
(2) आधार कार्ड की छाया प्रति।
(3) बैंक पासबुक की छाया प्रति।
(4) स्वः घोषणा पत्र फसल बुआई प्रमाण–पत्र(किसानों द्वारा स्वः अभिप्रति)।
(5) जमीन का मालगुजारी रशीद (नवीनतम)
(6) किसान का मोबाईल नम्बर।
(7) वंशावली।

अतः लोहरदगा जिले के सभी किसानों को सूचित किया जाता है कि अगहनी धान एवं भदई मकई से आच्छादित अपने फसलों का अधिक से अधिक बीमा कराकर अपने फसलों को सुरक्षित करा ले।

जिला सहकारिता पदाधिकारी
लोहरदगा

PR 333244 (Lohardaga)24-25*D

Memo No.- 1336/R.O.(G.P) DATED- 20/08/2024
POLICE WIRELESS HQR. JHARKHAND,RANCHI

Very Short Tender Notice (NIT)- 03/2024-25

Sealed Tenders for **F.Y. 2024-25** are invited from the local suppliers who are Income Tax/ stered in Jharkhand before the date of publication of this Tender for the supply of **Expendable Items** to Jharkhand Police Wireless Hqr. Ranchi to reach the undersigned on or before dtd. 04/09/2024 at 11:30 hrs. Sealed envelope should be super scribed as **"TENDER OF EXPENDABLE ITEMS" TENDER NO.03/2024-25**

Tender Documents can be obtained from the undersigned office at Police Wireless Hqr. Old Police Line, Line Tank Road, Ranchi on production of an application on own letter pad on or before dtd. 03/09/2024 at 11:30 hrs. The last date of submission will be dtd. 04/09/2024 at 11:30 hrs.

Tenderer should submit tender in Two envelops, in **1st envelopes(Technical bid)**self attested photo copy of GST registration certificates in Jharkhand state, Two years IT return(**FY.2022-23&2023-24**), Aadhar , PAN and Earnest Money for **Rs. 20,000/- (Rs Twenty Thousand Only)** (In form of Bank Draft) in favour of **S.P.(Tech. Services &Commn.) Jharkhand, Ranchi** with and in **2nd Envelope (Financial bid)** submitted items wise rate with GST separately.

No transportation cost will be paid by this office.

Tenderer should be hold minimum one shops/stock point in Ranchi Town.

Sealed Tender Envelope will be opened on 05/09/2024 at 11:30 in the office of the undersigned at Old Police Line, Line Tank Road, Ranchi in presence of the Tenderers / Representatives (if any) . Incomplete offers or without earnest money (In form of Bank Draft) will not be considered or entertained.

The undersigned reserves the right to reject any Tender fully or partially without assigning any reason.

Sd.- Harvinder Singh IPS
S.P.(Commn.& Tech. Services)
Jharkhand ,Ranchi

PR.NO.333295 Police Wireless Headquarter(24-25):D

एक नजर

भारत बंद में पटमदा में सड़क पर उतरे बंद समर्थक

पटमदा: पटमदा के बेलटांड चौक में बुधवार को भारत बंद कराने वाले समर्थकों ने टाटा पटमदा सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा एससी, एसटी ओबीसी के आरक्षण में बदलाव लाने आदेश के विरोध करते हुए सड़क जाम किया। जिसके बाद सुबह से बेलटांड चौक में पुलिस बल के साथ तैनात पटमदा थाना प्रभारी करम पाल भगत ने बंद समर्थकों को गिरफ्तार कर थाना ले गई। जिसके बाद शाम को बॉन्ड भराकर छोड़ा गया। बंद समर्थकों में चंद्र शेखर टुडू, सुभाष कर्मकार, अश्वनी महतो, अमर सिंह, जीतू मुर्मू, कृष्ण पद सिंह, दिवाकर टुडू, सहित काफी संख्या में समर्थक शामिल हुए।

करंट लगने से मजदूर हुआ घायल

साहिबगंज: जिला मुख्यालय के सबसे बड़े सदर अस्पताल परिसर स्थित बन रहे नवनिर्मित आईसीयू बिल्डिंग में बुधवार को काम करने के दौरान एक मजदूर बिजली करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जहां घायल मजदूर को सहयोगियों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर घायल मजदूर की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का कालियाचक निवासी मो. करीमुल्ला शेख उम्र 28 वर्ष पिता फरजुल्ला शेख के रूप में हुई हैं। उधर सदर अस्पताल में इलाज के दौरान घायल मजदूर करीमुल्ला शेख ने बताया कि नवनिर्मित आईसीयू बिल्डिंग में मजदूरी का काम पिछले कुछ दिनों से कर रहा है जहां बुधवार की शाम काम करने के दौरान हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया जिसके कारण जोरदार झटका लगा और वो कुछ दूर जाकर फेंका गया। उधर अन्य सहयोगियों की मदद से इलाज के लिए फौरन सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। ज्ञात हो कि सदर अस्पताल परिसर में 25 बेड का आईसीयू वार्ड बन रहा है जिसमें मजदूरी का काम करने के लिए दूसरे जिला से मजदूर भी आए हुए हैं।

पेड़ पर चढ़ने के दौरान बच्चे को सांप ने काटा

साहिबगंज: बिजली घाट के पास दिन के 10:00 बजे पेड़ से पत्ता तोड़ने के लिए शिव कुमार पासवान उम्र 13 वर्ष पिता मनोज पासवान चढ़ा था। इसी दरमियान पेड़ के ऊपर पहले से मौजूद सांप ने शिव कुमार पासवान को काट लिया। वहीं पेड़ से शिव कुमार पासवान ने आवाज देकर अपने माता पिता को बताया की सांप ने मुझे काट लिया है। बच्चों के माता-पिता ने आनन फानन में बच्चों को लेकर सदर अस्पताल साहिबगंज लाया जहां पर बच्चों का इलाज चल रहा है।

पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने बुधवार को कबूतरखोपी से एक पुराने मामले के वारंटी को गिरफ्तार किया है। जहां जिरवाबाड़ी थाना ने दोनों अभियुक्त को स्वास्थ्य जांच के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने बताया कि उमा चौधरी व गोपाल चौधरी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भारत बंद के समर्थन में एससी, एसटी परिवार एकता संघ ने निकाला जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण से संबंधित विभाजनकारी आदेश वापस करने की मांग को लेकर बुधवार को एससी, एसटी परिवार एकता संघ बैनर तले हजारों की संख्या में लोगों ने जिला अंतर्गत साक्षरता मोड़ से रैली निकाली। जिसमें आरक्षण में सब कैटेगरी बनाना बंद करने, आरक्षण पर बार-बार प्रहार करना बंद करने, आरक्षण जैसे मामलों को 9वीं अनुसूची में डालने, क्लोजियम सिस्टम बंद करने, सविधान में दिए आर्टिकल में छेड़छाड़ करना बंद करने, सुप्रीम कोर्ट होश में आओ जैसे नारे लगाए गए। वहीं इस रैली में एसटी-एससी समुदाय के लोग शामिल थे। रैली साक्षरता मोड़ से शुरू होकर सुभाष चौक, पूर्वी फाटक, कॉलेज रोड, साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज, ग्रीन होटल, पटेल चौक, बाटा चौक, गांधी चौक, चौक बाजार होते हुए एलसी रोड, सब्जी मंडी होते हुए स्टेशन चौक तक पहुंचा। जिसमें हजारों की संख्या में एससी-एसटी समुदाय के साथ-साथ कई पार्टियों के कार्यकर्ता मौजूद थे। रैली के समर्थन में निकले लोगों को शहर वासियों का भी सहयोग मिला। दुकानदार खुद अपनी अपनी दुकान व प्रतिष्ठान को बंद रखा। जिरवाबाडी थाना अंतर्गत साक्षरता मोड़ से इस रैली की शुरूआत हुई। जहां जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे की अगुवाई में पुलिस बल के जवान मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी में थे। साथ ही लोगों को कतारबध रैली में शामिल लोगों को अपने थाना क्षेत्र से नगर थाना क्षेत्र में प्रवेश करवाया। वहीं नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं सदर बीडीओ सुबोध कुमार की अगुवाई में दर्जनों पुलिस बल के जवान मुस्तैदी से लोगों की सुरक्षा को लेकर सजग दिखे। खबर लिखे जाने तक रैली में लोगों का हुजूम बढ़ता जा रहा था। वहीं मौके पर झामुमो जिला अध्यक्ष शाहजहां अंसारी, नजरुल इस्लाम, राजु अंसारी, सुरेंद्र यादव, जावेद शेख, आफताब आलम, सुल्तान अंसारी, आदित्य यादव, गोपाल मंडल, मो.सुभानी, मुन्ना यादव, सत्य नारायण यादव, रमावतर सिंह, अशोक मंडल, दिनेश पासवान, अनिल पासवान, शेखर पासवान, कपिल दास, प्रदीप पासवान, बालदेव उरांव, मो.तनवीर अहमद, रीता पासवान, जीम्स एकता, महेंद्र पासवान, आदित्य नारायण, श्याम दास, रविन्द्र दास, लीला मरांडी, एग्नेस बेशरा, मोनिका, लूसिया, खुशी लाल मंडल, ब्रमदेव पासवान, बर्षा हांसदा, कमल पासवान, दीपक पासवान, हुरियम तिग्गा, हेमंत तिग्गा, मनोज कुजूर, आशीष कुमार एवं एसटी एससी छात्रावास के सैंकड़ों छात्रों ने हिस्सा लिया।

किसानों को दिया गया जैविक खेती का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिला के बोड़ाम के कुइयानी गांव में राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के तहत ऑर्गेनिक फार्मिंग अथॉरिटी ऑफ झारखंड के बैनर तले वैदिक ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी रांची के द्वारा किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन कर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक अनुज कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि किसान भाई जैविक खेती करके अपनी भूमि को लंबे समय तक उपजाऊ बनाकर टिकाऊ खेती कर सकते हैं ।साथ ही साथ कम लागत में उत्पादन कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। जैविक उत्पाद का प्रयोग घरेलू भोजन के रूप में करके हम सभी स्वस्थ रह सकते हैं। इस अवसर पर किसानों को प्रशिक्षण देते हुए मुख्य प्रशिक्षक अनुज कुमार ने बताया कि जैविक खेती एक शून्य बजट की खेती है । इससे हम अपने गांव में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से कई प्रकार के खाद कीटनाशक टॉनिक का निर्माण कर अपने खेतों में प्रयोग कर सकते हैं । उन्होंने इस कार्यक्रम में किसानों को नीम अर्क जीवामृत बिजामृत दसपॉर्न केंचुआ खाद सहित कई प्राकृतिक कीटनाशक एवं अन्य दवा बनाने की विधि को विस्तार पूर्वक बताया एवं इनसे होने वाले फायदे को बताया। मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर अमन कुमार, क्षेत्र पदाधिकारी विपद तारण महतो, लगभग 200 किसान उपस्थित थे।

झामुमो के प्रतिनिधि मंडल ने बोरियो के पदाधिकारियों से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा बोरियो ईकाई के एक प्रतिनिधि मंडल विभिन्न मुद्दों और मसलों को लेकर बोरियो प्रखंड के पदाधिकारियों से बुधवार को मिले। जहां झामुमो के नेताओं और कार्यकताओं की टोली द्वारा केन्द्रीय समिति सदस्य स्टीफन मुर्मू के अगुवाई में प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव, अंचलाधिकारी विजय हेमराज खालको और थाना प्रभारी पंकज वर्मा को कई समस्याओं और मसलों से रूबरू करा रहे थे। उधर बोरियो प्रखंड क्षेत्र में मुख्य रूप से चार समास्याओं को लेकर बातचीत हुई, जिसमें आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका संविदा में हो रहे व्यापक रूप से हेरफेर, जन मन आवास योजना में बिचौलियों का हावी हो जाना, अंचल के अधीन आने वाली वन पट्टा सम्बन्धित समस्याओं व बोरियो थाना में अवैध रूप से विचार और बैठकी आयोजित कर वसूली करना है। इस मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष जेठा मरांडी, पूर्व प्रमुख मंडल मरांडी, मिठू दत्ता, बबलू टुडू, रिजवान अंसारी, शकील अहमद, गफ्फार अंसारी सहित कई अन्य झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे। उधर प्रतिनिधि मंडल में शामिल झामुमो नेता स्टीफन मुर्मू ने बताया कि क्षेत्र की जनता द्वारा कई मसलों को लेकर लगातार शिकायत आ रही है। जहां कई लोगों का कहना है कि बोरियो थाना मुख्यालय में आए दिन जमीन, मारपीट, लड़ाई झगड़ा, आदि जैसे मामलों को लेकर आपसी विचार बैठाई जाती है और दोनों पक्षों से फैसला के नाम पर अवैध उगाही किया जाता है। वही जन मन आवास योजना में लाभुकों का आवंटन जिला समाज कल्याण विभाग से किया जाता है, लेकिन यहां बिचौलिए हावी हो जाते हैं और लाभुकों के साथ धांधली की जाती है। वही वन पट्टा देने में अंचल कार्यालय की भूमिका किस प्रकार है उसकी भी पारदर्शिता जरूरी है। साथ ही विगत कई महीनों से सूचना आ रही है कि बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में नियुक्त सेविकाओं के चयन में भारी गड़बड़ी की जा रही है जहां कई मामलों को पेंडिंग में लटकाकर हेरफेर किया जा रहा है। इस मामले में बोरियो बीडीओ हस्तक्षेप कर, योग्य सेविकाओं का चयन किया जाए। साथ ही बोरियो थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था हमेशा बनी रहे इसके लिए भी सभी पदाधिकारियों को रूबरू करवाया गया है ताकि सही तरीके से जनता को लाभ मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी, एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर स्वीकार्य नहीं : रामाकांत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संयुक्त अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति फोरम (साजफ) ने रामाकान्त राम केन्द्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में माननीय उच्चतम न्यायलय द्वारा 01 अगस्त, 2024 को अनुसूचित जाति - अनुसूचित जनजाति वर्ग में आरक्षण को लेकर उपवर्ग बनाने का फैसला एवं एससी, एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर को लागू करने का सुझाव देने के खिलाफ नया मोड़ से बोकारो उपायुक्त कार्यालय तक विरोध मार्च किया। रामाकान्त राम ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायलय द्वारा 01 अगस्त को एससी झ एसटी के आरक्षण का बीस साल पुराना अपना ही फैसला पलट दिया है। उन्होने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने वर्ष 2004 में ईवी चिनैया मामले में दी गई व्यवस्था को गलत ठहरा दिया है। शीर्ष अदालत द्वारा आरक्षण में उपवर्गीकरण का फैसला, कोटे में कोटा यानी आरक्षण के भीतर आरक्षण देने की बात पर मुहर लगाना एससी एवं एसटी समुदाय को आपस में लड़ाने जैसा है। विरोध मार्च में मुख्य रूप से राजकुमार राम संरक्षक समिति सदस्य, शम्भु कुमार केन्द्रीय उपाध्यक्ष, देवानंद राम महासचिव, झरिलाल पात्रा, रेंगो बिरुआ, सुभाष बाउरी केन्द्रीय उपाध्यक्ष, डॉ इंद्रदेव पासवान, रामबाबू रोहित उपाध्यक्ष, राम कुमार मांझी, ललन आनंदकर, सुरेन्द्र पासवान, लिलु सोरेन, अशोक राम, राकेश कुमार, अनिल कुमार, बैजनाथ कुमार, नबानंददेशवर हेम्ब्रम, अवधेश पासवान, विक्की कुमार, आर डी प्रसाद, शिवजी पासवान, नंददेशवर राम, प्रमोद रजक मौजूद रहे।

सिविल सर्जन ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बांझी का किया औचक निरीक्षण

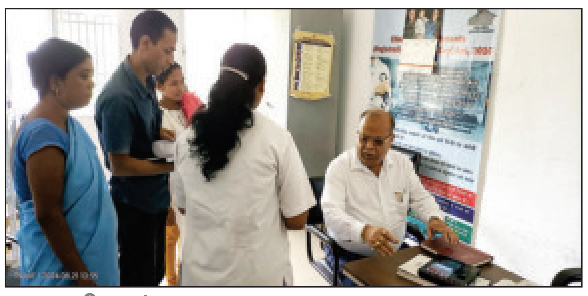

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : 21 अगस्त को पूर्वाहन 10:35 बजे सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियो अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बांझी का औचक निरक्षण किया गया। जिसमे ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा की उपलब्धता, नियमित टीकाकरण, शीत श्रृंखला कक्ष, लैब, उपस्थिति पंजी एवं अस्पताल मे साफ - सफाई आदि का अवलोकन किए। निरक्षण के दौरान सिविल सर्जन के द्वारा उपस्थित एएनएम, एलटी एवं अन्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने, स्वास्थ्य विभागीय सभी कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन करने को कहा गया। वहीं मौके पर मो. तौसीफ अहमद डीडीएम, एएनएम आदि सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

डीसी ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर राहत सामग्री का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम ने संयुक्त रूप से नाव से प्रखण्ड साहेबगंज के गोपालपुर के पीलर टोला का औचक निरीक्षण एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने नंगे पांव कीचड़ में चल कर गांव में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और राहत सामग्री का वितरण किया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पीलर टोला में बालू टोला के बाढ़ प्रभावित 875 परिवारजनों के बीच खाद्य सामग्री चूड़ा, गुड़, मोमबत्ती, माचिस, पेयजल, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण उपायुक्त एवं अपर समाहर्ता के द्वारा किया ।उपायुक्त ने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए और तत्काल राहत के लिए पदाधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के क्रम में संबंधित पदाधिकारियों के साथ बाढ़ से निपटने की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिला पशुपालन पदाधिकारी को निदेशित किया कि बाढ़ क्षेत्र में पशु चारा की समुचित व्यवस्था करेंगे। उन्होंने बताया कि बाढ़ के जल स्तर घटने के बाद मलेरिया, डेंगू, कालाजार, डायरिया जैसी बीमारियों के फैलने की संभावना है और इनकी रोकथाम के लिए एक चिकित्सा योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा, दवाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। गंगा के तटीय इलाकों में चिकित्सा दल की तैनाती की जाएगी। मौके पर नगर प्रसाशक अभिषेक कुमार सिंह, राजस्व कर्मचारी संजय कुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बरहरवा व पतना में भारत बंद का दिखा मिला जुला असर

बरहरवा/पतना: एससी/एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए वक्तव्य के विरोध में सामाजिक संगठनों का भारत बंद का बरहरवा में मिलाजुला असर देखने को मिला ।कई संगठनों के हजारों लोग सड़क पर उतरे हैं बाजार बंद कराया एवं सड़क जाम किया। भारत बंद को राजनीतिक दल झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस ने भी अपना समर्थन दिया है। बरहरवा एवं पतना में भीम सेना,झारखंड मुक्ति मोर्चा,कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और स्टेशन चौक को जाम कर दिया और आरक्षण के समर्थन एवं सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। झामुमो नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा आदिवासी,दलितों की पार्टी है। इसलिए बंद को समर्थन दिया है और हम सभी पार्टी के कार्यकर्ता भारत बंद को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। आगे बताया कि आरक्षण के साथ छेड़छाड़ बर्दास्त नहीं करेंगे, क्योंकि देश में हमलोग सबसे पिछड़ा समाज से आते हैं और आरक्षण में छेड़छाड़ चाहे केंद्र सरकार हो या न्यायालय करे इसका खुलकर विरोध करेंगे। यही रवैया रहा तो आगे जबरदस्त आंदोलन किया जायेगा। भारत बंद के तहत किए गए सड़क जाम के कारण आम सहित खास लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी ।शहर के अधिकांश दुकान प्रतिष्ठाने बंद रही। वहीं कई सांगठनों द्वारा भारत बंद का आह्ववान किये जाने के कारण एक भी बसें नहीं चली तो ट्रेनों के परिचालन पर कोई असर नहीं देखा गया। जबकि सरकारी विद्यालय एवं कार्यालय खुले रहे तो कई निजी विद्यालय बंद रहे। बरहरवा एवं पतना प्रखंड में भी बंद का आंशिक असर रहा। एडवाइजरी में कहा गया है कि मेडिकल सेवाओं, पुलिस, फायर सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा मॉल, दुकान, कार्यालय, पटरी, बैंक, एटीएम, मंडी, मार्केट, बाजार,फैक्ट्री, वर्कशॉप, पर्यटक स्थल आदि सब बंद रहेगा और बस, रेल, मेट्रो ट्रेन को भी बाधित किया जाएगा। स्कूल कॉलेज को भी बंद करने की बात कही गई है, परंतु बरहरवा रेलवे स्टेशन पर लोकल ट्रेनों का आवागमन लगभग संचालित रही। वहीं बरहरवा एवं पतना प्रखण्ड के मुख्य स्थानों जैसे पतना चौक एवं बरहरवा स्टेशन चौक पर घेरा बन्दी कर जमकर नारेबाजी और कोर्ट व केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। वहीं भारी संख्या में बंद समर्थकों द्वारा दुकानों एवं सड़क पर चलने वाली छोटी बड़ी वाहनो को मुख्य सड़को पर घेराबंदी कर बाधित की गई,बंद समर्थकों ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस सेवाएँ एवं स्कूली बच्चों व प्रसासनिक वाहनो के परिचालन को बाधित नहीं कि गई है। वहीं बन्दी के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जमुदा,बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह,रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार व कोटालपोखर थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौहान दल बल के साथ मौजूद रहे।

सुख-शांति, समृद्धि, स्वच्छ शिक्षा अभियान का हुआ आयोजन

चांडिल: सरायकेला जिला के रसुनिया पंचायत के सुकसारी सामुदायिक भवन प्रांगण में सुख शांति समृद्धि स्वच्छ शिक्षा स्वस्थ अभियान के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकप्रिय समाजसेवी झारखंड आंदोलनकारी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक आदरणीय सुखराम हेंब्रम जी उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि को प्राकृतिक पेड़ देकर महिला समूह के द्वारा सम्मानित किया गया। इसी बीच 35 महिला समूह के बीच रजिस्टर और कलम का वितरण हेम्ब्रम जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर रसुनिया पंचायत के मुखिया मंगल मांझी, नारायण गोप, हेम प्रसाद गोप, गुरुपद लौहार, पांडुब गोप, महावीर मांझी, सोहन सिंह सरदार, शंभू कर्मकार, वैधनाथ धीवर, और सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

एसटी- एससी आरक्षण के मुद्दे पर भारत बंद का झामुमो ने किया समर्थन

बोकारो : एसटी- एससी आरक्षण को लेकर माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भारत बंद के एलान को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पूर्ण समर्थन किया है झामुमो का मानना है की यह निर्णय बाबा साहेब आंबेडकर जी के द्वारा दिए गए अधिकारों का हनन है। एसटी एससी आरक्षण मैं वर्गीकरण के विरोध को लेकर आज झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा बोकारो नया मोड़ बिरसा चौक इत्यादि जगहों पर शांति पूर्ण तरीके से बंद करवाया जिसमें सैकड़ो की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे इसमें मुख्य रूप से झामुमो केंद्रीय सदस्य मंटू यादव, हसन इमाम अंसारी, फिरदौस अंसारी, मिथुन मंडल, राजकुमार सोरेन निशा हेंब्रम, अनिता देवी, अभिमन्यु माझी, चंदू सिंह मुंडा, आकाश टुडू, अर्जुन महतो, धनेश तुरी, अशोक हेंब्रम, अजय हेंब्रम, सोहन मुर्मू, लालमोहन हेंब्रम, पुनीत विश्वकर्मा, दिलीप ठाकुर, लखी गोशवामी, विनोद महतो, मोतीलाल हेंब्रम, संजय साव,पप्पू सरदार, चंदन कुमार, सुनील रजवार, केके मंडल, टीपी महतो, मस्तान अंसार, अशोक सोरेन, राजू सिंह, किशोर किस्कू ,धीरज कुमार, भारत यादव, डालो यादव, शांति सोरेन, एकता देवी, मीना हेंब्रम धनबाद महिला मोर्चा अध्यक्ष, पनमती देवी, सावित्री देवी, प्रीति देवी, संगीता देवी, अनीता देवी इत्यादि।

बीएसएल के डीएनडब्ल्यू विभाग में हिन्दी कार्यशाला का हुआ आयोजन

बोकारो : बी एस एल के डी एन डब्ल्यू विभाग में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (पावर) राजन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी शशांक शेखर ने किया। हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागियों और अतिथियों का स्वागत सहायक महाप्रबंधक अनिल कुमार हेब्रंम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजभाषा अधिकारी शंशाक शेखर, सहायक महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ने हिन्दी का राष्ट्र भाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता, संविधान में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा साथ ही प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें मुख्य महाप्रबंधक (पावर) राजन कुमार के द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपनी साहित्यिक रचनाओं से सभी को भावविभोर किया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक संजीव भारतीय, संजय कुमार, दिलीप कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक अनिल कुमार हेमब्रम के साथ वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। हिन्दी कार्यशाला का समापन दिलीप कुमार गोंड, महाप्रबंधक के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया।

पोखर में मिला मां-बेटी का शव:हत्या का आरोप भोजपुर में 12 साल पहले हुई थी शादी

आरा। में तालाब से मां-बेटी का शव मिला है। महिला की 12 साल पहले शादी हुई थी। मंगलवार को मां-बेटी अपने घर से निकली थी। इनका बुधवार को तालाब से शव बरामद हुआ। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के भाई ने कहा है कि उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। मामला सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव के उत्तरवारी टोला स्थित पोखर का है। शव के मिलने से गांव में आसपास के इलाके में दहशत फैल गई है। मृतका के मायके वालों ने उनके ससुराल वालों पर मां-बेटी की हत्या कर पोखर में फेंकने की बात कही है। 12 साल पहले हुई थी शादी मृतकों की पहचान सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी शिव नारायण सिंह की पत्नी सुमन देवी (26) और बेटी शिवानी कुमारी (9) के रूप में हुई है। इधर, मृतका के भाई रितेश यादव ने बताया कि उसने अपनी बहन सुमन देवी की शादी साल 2012 में जून के महीने में सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी हरे कृष्णा सिंह के बेटे शिव नारायण सिंह से की थी। शादी के छह महीने बाद से ही उसके ससुराल वाले उसे मारपीट व प्रताड़ित करते थे। उन लोगों ने सोने की चेन की मांग की। सोने का चेन बनवा कर उन्हें दिया गया। कुछ दिन बाद वह बाइक की मांग करने लगे। इसके बाद मायके पक्ष ने कहा कि सही समय आने पर बाइक दे दिया जाएगा। हालांकि, इसके बाद बात खत्म हो गई थी। इसी बीच पति शिव नारायण सिंह सोमवार को राखी लेकर चौरी थाना क्षेत्र के भीकमपुर पत्नी के मायके आए थे, शाम में घर वापस लौटे थे। लौटने के बाद पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। जीजा पर बहन की पिटाई का आरोप मृतका के भाई ने कहा कि जीजा ने बहन की पिटाई कर दी गई। उसी समय उसके बहन ने फोन कर इसकी सूचना उसे दी। सूचना पाकर वह अपने साले के साथ उनके घर पहुंचे और दोनों को समझा कर रात करीब दस बजे घर वापस लौट रहे थे। अभी वह बीच रास्ते में ही था, कि उसके जीजा ने फोन कर कहा गया कि तुम्हारी बहन और भांजी घर से कहीं चली गई है। इसके बाद वे लोग बीच रास्ते से ही वापस लौट गए। वहां पहुंचने के बाद पूरी रात और दूसरे दिन शाम तक उन दोनों की काफी खोजबीन की गई। खोजबीन करने पर कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद वह सहार थाना में पहुंचे और इसकी शिकायत थानाध्यक्ष से की। जिसके बाद सहार थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने उसके जीजा शिव नारायण सिंह को थाने पर बुलाया। थाने पर पहुंचने के बाद उसके जीजा ने कहा कि मुझे रात भर का समय दिया जाए। इसके बाद उसके जीजा के गांव वालों ने बोला कि तुम्हारी बहन और भांजी नारायणपुर थाना क्षेत्र के सेवर्था गांव चली आई है। जब वह घर जा रहे थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि गांव के उत्तरवारी टोला स्थित पोखरा से उनकी बहन सुमन देवी व भांजी शिवानी का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा पुलिस ने दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया है।

मुंगेर में मना करने पर घटना को दिया अंजाम, शादी करने का बना रहा था दवाब

मुंगेर। में प्रेमिका से शादी का दबाव बनाने के लिए बोल बम के वेश में आए प्रेमी ने आए प्रेमिका द्वारा शादी से इनकार करने पर चाकू गोद कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। इस दौरान बचाने आए पिता पप्पू रजक एवं माता सुनीता देवी को भी जख्मी कर दिया। हमले के दौरान किसी तरह से हमलावर प्रेमी को परिजनों ने कब्जे में लेकर चाकू छीन लिया गया। इस घटना के समय हल्ला की आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और आरोपी को अपने कब्जे में लेकर 112 नंबर पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची 112 की पुलिस ने घायल को अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर पहुंचाया। सभी घायल को गंभीर स्थिति में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। घटना की जानकारी देती हुई जख्मी सिंपल कुमारी ने कहा कि उसके साथ हमलावर संतोष कुमार चार वर्षों तक तारापुर एवं सुलतानगंज में नेटवर्किंग ड्यू शॉप कंपनी में काम किया था। बाढ़ जिला अंतर्गत कचहरी के पास मलाही का रहने वाला है। बोलबम के वेश में घर में आया और शादी करने की जिद करने लगा। मना करने पर उसने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता के पिता पप्पू रजक ने बताया कि संतोष पीछे के दरवाजे से बोलबम के वेश में घर के अंदर आया। मेरी बेटी सिम्पल को चाकू मारने लगा। बचाने गए तो मुझपर भी वार किया। पत्नी सुनीता देवी बचाने आई तो उनको भी जख्मी किया। यह घटना तारापुर थाना क्षेत्र के धोबिया पोखर रजक टोला का है। किसी तरह चाकू छीन पाए। मेरी बेटी के साथ वह निजी कंपनी में तारापुर और सुल्तानगंज में काम करता था। प्रेम प्रसंग था या

बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस कैंप पहुंचे आईजी राजेश कुमार

बिहार। विशेष सशस्त्र पुलिस ट्रेनिंग कैंप में आईजी राजेश कुमार मंगलवार की शाम करीब 6:00 सुपौल पहुंचे। उन्होंने भीमनगर स्थित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस 12वीं एवं 15वीं बटालियन कैंप में पुलिस सभा किया। इस दौरान जवानों के साथ करीब 2 घंटे तक वातार्लाप के बाद वीरपुर अतिथि भवन पहुंचे। बटालियन कैंप के साथ इस मुलाकात में सबसे खास बात यह रहा कि आईजी के पहुंचने के बाद मीडिया प्रवेश पर नो एंट्री लगा दिया और आईजी के बदले सुपौल एसपी ने मीडिया को ब्रीफिंग किया। सहरसा डीआईजी मनोज कुमार ने बताया कि जो घटना हुई है उसके निष्पादन के लिए आज पुलिस सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रशिक्षु जवानों की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के डीआईजी शफीउल हक,कोशी रेंज के डीआईजी मनोज कुमार और सुपौल पुलिस अधीक्षक शैशव यादव मौजूद रहे। बता दें कि बीते रविवार को सुबह के नास्ते में पूरी जलेबी और काबुली चना की सब्जी खाने के दौरान एक जवान बिमल कुमार के थाली में सल्फास की पोटली मिली थी। जिसके बाद जवानों ने हंगामा किया और दोपहर बाद धीरे-धीरे 265 जवानों की तबीयत खराब होने लगी थी। जिस जवान के उल्टी और दस्त की शिकायत पर पहले जवानों का इलाज कैंप में किया गया और उसके बाद उनलोगों को वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया था फिर उसी रात करीब डेढ़ बजे सभी का प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

सभा के दौरान तमाम ट्रेनी जवानों ने छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर आईजी के समक्ष रखा। आईजी ने भी सभी समस्याओं को नोट किया। आईजी जब वापस कैप ने निकलकर वीरपुर स्थित आईबी पहुंचे तो उन्होंने मीडिया को संबोधित करने से इंकार कर दिया।

मोतिहारी में लूटने वाले लोगों की लगी भीड़, रेलेवे को भनक तक नही

मोतिहारी। में एक माल गाड़ी के कंटेनर से तेल के रिसाव का विडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा रहा है कि माल गाड़ी स्टेशन कर खड़ी है, और कुछ लोग तेल को बाल्टी और बोतल में भर रहे है। वहीं वायरल वीडियो आज सुबह का बताया जा रहा है। वहीं कुछ लोग इस बात से परेशान हो कर इधर उधर फोन लगाकर इसकी शिकायत कर रहे है ताकि कोई बड़ी घटना न हो जा। लेकिन न तो कोई इनकी बात सुनने वाला है और इस रिसाव को रोकने की कोशिश की जा रही है। यह वायरल वीडियो मोतिहारी के घोड़ासहन रेलवे स्टेशन का बताया जा रहा है। मालगाड़ी जैसे ही रेलवे स्टेशन पर पहुंची वैसे ही उधर से हो कर गुजरने वाले लोगों की नजर तेल रिसाव वाली कंटेनर पर परी। फिर क्या था तेल लूटने वालों की भीड़ जुट गई। सभी घर से बाल्टी बोतल ले कर दौड़ पड़े, फिर बारी बारी से सभी तेल लूटने में जुट गए। यह सब खेला चलता रहा लेकिन स्टेशन के कोई अधिकारी को इसकी भनक तक नहीं लगी। तभी उसी रास्ते गुजर रहे एक राहगीर की नजर उसपर पड़ी फिर उसने हेल्पलाइन पर कॉल किया।

जहां एक महिला कर्मी ने फोन उठाया और यह कहकर फोन रख दिया कि आप स्टेशन पर जा कर शिकायत दर्ज करा दिजिए। आग लगाने की कोई संभावना नहीं होती है।

हाजीपुर पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- सरकार के चमचे बेलचे चला रहे हैं

वैशाली। के हाजीपुर में वार्ड पार्षद को गोली मारकर हत्या करने की सूचना पर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिवंगत वार्ड पार्षद सह राजद नेता के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की है। तेजस्वी यादव ने इस दुख की घड़ी में दिवंगत वार्ड पार्षद के परिजनों को धार्धस बंधाया है। इस दौरान बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस का इकबाल पूरे तरीके से समाप्त हो गया है और पुलिस सिंह सरकार के चमचे बेलचे चला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में अपराध बढ़ गया है और अपराधियों के मन से पुलिस का खौफ बिल्कुल समाप्त हो चुका है। दिनदहाड़े हत्या की जा रही है। अपराधियों के द्वारा घर में घुसकर गोली मारी जा रही है।

जिनकी हत्या हुई है उनके परिवार वालों ने पुलिस को कई बार सचेत किया था कि उनकी जान का खतरा है इसके बावजूद पुलिस प्रोटेक्शन नहीं दी गई थी और आज जो नतीजा है आप सब लोग देख रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने सरकार से मांग किया कि जो भी लोग इसमें शामिल है उस पर कठोर कार्रवाई को जाए और परिवार के लोगों को सुरक्षा मुहैया करवाया जाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से संभल नहीं रहा है।

नीतीश कुमार, गृह मंत्री और पुलिस डिपार्टमेंट भी है फिर भी बिहार में लगातार अपराध बढ़ता जा रहा है। रुपया लेकर ट्रांसफर पोस्टिंग की जा रही है।

सारण में फायरिंग करते भागे बदमाश सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

जिले के सोनपुर में बुधवार को बदमाशों ने IDBI बैंक में लूटपाट की है। इस दौरान बदमाशों ने 19.25 लाख लेकर भाग निकले। घटना सोनपुर थाना क्षेत्र के गोला बाजार की है। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर तीन बदमाश पहुंचे और कस्टमर बनकर बैंक में घुसे। इसके बाद बैंक कर्मियों को बंधक बना लिया और लूटपाट शुरू कर दी। बदमाशों ने बैंक काउंटर से 16.75 लाख और एक महिला ग्राहक से 2.5 लाख लूट लिए। घटना की सूचना मिलने के बाद सारण एसपी डॉ. कुमार आशीष, सोनपुर डीएसपी और सोनपुर थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। FSL की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है। महिला ग्राहक के पति ने कहा कि 'उसके पास 5 लाख रुपए थे, जिसे बैंक में जमा करना था। वो रुपए जमा कर दी थी और रसीद लेने के लिए रुकी थी। एक ही बाइक से आए थे। बदमाशों ने गार्ड का राइफल कब्जे में ले लिया। लूट के दौरान एक-दो राउंड फायरिंग भी की है।

संक्षिप्त डायरी

24 जिलों में आज हल्की बारिश का अलर्ट पिछले 24 घंटे में सीतामढ़ी रहा सबसे ज्यादा गर्म

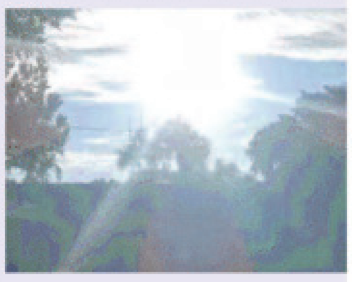

बिहार। में मानसून सामान्य है। बुधवार को प्रदेश के 24 जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। खासकर दक्षिण और पश्चिम बिहार में बारिश की अधिक संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बांग्लादेश के मध्य भाग में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके कारण अगले दो दिनों में पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा झारखंड में एक चक्रवाती हवा का क्षेत्र बना है। इससे कई इलाकों में बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान सीतामढ़ी जिला सबसे ज्यादा गर्म रहा, जहां का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक सिर्फ 5 ऐसे जिले हैं, जहां औसत से ज्यादा बारिश हुई है। इसमें सबसे ज्यादा किशनगंज में 16 फीसदी अधिक बारिश हुई है। इसके अलावा 33 ऐसे जिले हैं, जहां अब तक औसत से कम बारिश हुई है। इसमें सबसे कम मधुबनी में बारिश हुई है, यहां औसत से 49 फीसदी कम बारिश हुई है।

बाहर रहने वाले जमीन सर्वे के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

पटना। में जमीन का पूरा हिसाब-किताब अब नए सिरे से होगा। इसके लिए बिहार सरकार ने 20 अगस्त से भूमि सर्वेक्षण शुरू किया है। यह सर्वेक्षण राज्य के 45 हजार से अधिक गांवों में होगा। इस सर्वेक्षण में जमीन पर बने मकानों और दूसरी चीजों की भी जानकारी देनी होगी। पटना में सर्वे की जानकारी देने के लिए मंगलवार को पंचायतवार ग्राम सभा की शुरूआत हुई। गांव से बाहर रहने वाले लोग अपनी जमीन का सर्वे कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन दे सकते हैं। जमीन की जांच के दौरान उपस्थित रहना होगा। जिला बंदोबस्त पदाधिकारी राजीव रंजन प्रभाकर ने कहा कि 1323 राजस्व गांवों में विशेष सर्वे होगा। इसमें नगर निकाय शामिल नहीं है। ग्राम सभा के माध्यम से लोगों के सर्वे के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। रैयतों एवं भूमि धारकों को जमीन की स्वघोषणा प्रपत्र - 2 और वंशावली की घोषणा प्रपत्र - 3 (1) के माध्यम से करनी है। आम लोग इस प्रपत्र को भरकर संबंधित अंचल शिविर के शिविर प्रभारी सह विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के पास जमा करेंगे। इसका सत्यापन कर आगे की प्रक्रिया प्रक्रिया होगी। पटना के बख्तियारपुर अंचल के मझौली पंचायत, नौबतपुर अंचल के नवही पंचायत, फतुहा अंचल के जेठुली, मौजीपुर, डुमरी पंचायत, सम्पतचक अंचल के कंडाप पंचायत, मसौढ़ी अंचल के देवरिया पंचायत, बिहटा अंचल के पुरूषोत्तमपुर और पटना सदर अंचल के मरची पंचायत,पालीगंज के सिंगोड़ी पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इन पंचायतों में रहने वाले लोगों को अफसरों ने सर्वे से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई। नौबतपुर के नवही पंचायत में आयोजित ग्रामसभा में जिला बंदोबस्त पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों को ऑनलाइन आवेदन-ऑफलाइन आवेदन के संबंध में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई।

दामाद को समझाया था झगड़ा नहीं कीजिए सब खत्म हो गया

भागलपुर। में 13 अगस्त को पुलिस लाइन में महिला सिपाही नीतू उसके परिवार की लाश मिली थी। मामले में मंगलवार को पहली बार नीतू की मां और भाई मीडिया के सामने आए। नीतू की मां ने कहा- 10 अगस्त को अंतिम बातचीत हुई थी। नीतू उस समय रोटी बना रही थी। उसने कहा था कि पंकज झगड़ा करते हैं। मैंने पंकज से बात की। उन्हें समझाया था कि अच्छे से रहिए। पर वो नहीं समझे और आज सब खत्म हो गया। जब सवाल किया गया कि सुसाइड नोट के अनुसार नीतू ने बच्चों को मारा। जवाब में नीतू की मां ज्ञानती देवी बोली- वो तो उनसे प्यार करती थी, वो कैसे मारेगी। नीतू ने अपने भाई से वादा किया था कि रक्षा बंधन में आऊंगी। वहीं, नीतू का भाई विकास आर्मी में है। विकास ने कहा कि अब तक की पुलिस कार्रवाई से हम संतुष्ट नहीं हैं। मामा एएसआई नागेंद्र ठाकुर ने कहा कि एसएसपी ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है। अभी खुलासा नहीं हुआ है कि कैसे घटना घटी है। नीतू की एक छोटी बहन है। अगर वो राजी हुई तो अनुकंपा पर पुलिस में आएगी। इधर, इस मामले में पुलिस अभी भी उलझी हुई है कि आखिरकार किसने किसकी हत्या की है। एसएसपी का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गया है। FSL और अन्य रिपोर्ट आ जाने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। पहली FIR में नीतू के पति पंकज को आरोपी बनाया गया है। हालांकि, उसकी भी मौत हो चुकी है। पंकज ने सुसाइड करने से पहले एक नोट लिखा था, जो पुलिस को मौके से मिला। इसमें उसने अपनी पत्नी नीतू पर उसकी मां और दो बच्चों की हत्या करने का आरोप लगाया। दूसरी FSL में नीतू के प्रेमी कॉन्स्टेबल सूरज कुमार ठाकुर को आरोपी बनाया है। वह किशनगंज जिले के ठाकुरगंज का रहने वाला है। फिलहाल वो पुलिस गिरफ्त में है।

मुस्लिम नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ने की बैठक

बिहार। मुस्लिम नेताओं के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बैठक खत्म हो गई है। इस बैठक में शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड के तमाम नेताओं के साथ-साथ बड़े संख्या में मुस्लिम नेता भी शामिल रहे। मुख्यमंत्री की बैठक के बाद जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और मंत्री संजय झा ने लगभग 15 मिनट तक नेताओं के साथ बातचीत की और जदयू के साथ जुड़े रहने की बात कही। संजय झा ने मुस्लिम नेताओं को बताया कि नीतीश कुमार हमेशा आपके साथ खड़े हैं। उनके हर समस्याओं को दूर करना नीतीश कुमार की प्राथमिकता में शामिल है। 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर नीतीश कुमार ने बड़ी रणनीति तैयार की है। इस रणनीति के तहत पिछड़ा, अति पिछड़ा वोट बैंक को नीतीश कुमार पहले से साधे हुए हैं। वहीं अब उनकी तैयारी अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने की है। ऐसे कयास भी लगाए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार आने वाले विधानभा चुनाव में मुस्लिम समाज के लिए कई बड़ी घोषणा भी कर सकते हैं।

पहला राज्य जहां मदरसों में पेरेंट्स टीचर मीटिंग प्रदेश के मदरसों में 4 लाख बच्चे

बिहार। देश का पहला राज्य बन गया है, जहां मदरसों में भी पेरेंट्स-टीचर मीटिंग हो रही है। इसके साथ ही यह फैसला लिया गया है कि जिन मदरसों में पीटीएम नहीं होगी वहां के हेड पर एक्शन भी लिया जाएगा। 1942 सरकारी फंड से चलने वाले मदरसों में क्लास वन से लेकर मौलवी यानी इंटर तक करीब 4 लाख छात्र पढ़ते हैं। शिक्षा विभाग में एसीएस रहते हुए केके पाठक ने मॉन्टेसरी स्कूलों की तरह मदरसों में भी पेरेंट्स टीचर मीट कराने की प्लानिंग की थी। सरकारी स्कूल, संस्कृत स्कूल और सरकारी मदरसों में निजी स्कूलों के जैसी पेरेंट्स टीचर मीटिंग करने का आदेश आईएएस अधिकारी केके पाठक ने दिसंबर 2023 में दिया था। पटना के 15 मदरसों में पीटीएम शुरू भी हो चुकी है। आईएएस पाठक ने नया फरमान जारी करते हुए कहा था कि 'सरकारी स्कूलों में भी निजी विद्यालयों की तरह अभिभावक मीटिंग प्रत्येक शनिवार को करें। पेरेंट्स मीटिंग में अभिभावकों से यह जानकारी लें कि शिक्षा की गुणवत्ता कितनी है। हर शनिवार को सरकारी स्कूलों में पेरेंट्स मीटिंग बुलाई जाएगी। बच्चों के अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता और उनके विकास के बारे में जानकारी ली जाएगी।' अपने कड़े फैसलों के लिए जाने जाने वाले आईएएस केके पाठक का तबादला शिक्षा विभाग से कर दिया गया है। पाठक अब रेवेन्यू डिपार्टमेंट के एसीएस बनाए गए हैं। लगभग दो महीनों की छुट्टी के बाद केके पाठक ने अपना नया विभाग जॉइन कर लिया है, लेकिन शिक्षा विभाग में उनके लिए फैसलों पर अब भी काम चल रहा है। बोर्ड के एग्जाम कंट्रोलर डॉ. मो. नूर इस्लाम ने बताया कि 'पीटीएम करवाने के लिए पहले कई मदरसों में इसका ट्रायल किया गया था, जिसमें कई पेरेंट्स आए। उस ट्रायल का रिजल्ट अच्छा आया था। इसके बाद बोर्ड ने यह फैसला लिया। मदरसों में पीटीएम की शुरूआत पहले हर तीन माह पर करवाई जाएगी। उसके बाद इसको हर महीने और फिर हर वीक में करवाया जाएगा।' मदरसों में सबसे ज्यादा मजदूरों के बच्चे बोर्ड के एग्जाम कंट्रोलर डॉ. मो. नूर इस्लाम ने बताया कि 'मदरसों में मजदूरों और गरीबों के बच्चे तालीम हासिल करने आते हैं। पीटीएम को लेकर इन बच्चों के पेरेंट्स का कहना था कि अगर वह पीटीएम में आएंगे तो उनका एक दिन का मजदूरी खत्म हो जाएगा। जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। IAS केके पाठक लंबी छुट्टी से लौट आए हैं। दो महीने से अधिक समय से वह छुट्टी पर थे।

बिहार के बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के चेयरमैन का पद संभालते ही वह एक बार फिर वह चर्चा में हैं। केके पाठक अपने फैसले के लिए लिए जाने जाते हैं। अक्सर वो अपने आदेशों के कारण चर्चा में रहते हैं। ऐसा माना जाता है कि दूसरे IAS अफसर, मंत्री और मुख्यमंत्री के चेहरे के हिसाब से फैसले लेते हैं। वहीं, केके पाठक खुद निर्णय लेते हैं। नफा-नुकसान और सरकार के वोट बैंक के बारे में वो नहीं सोचते हैं।

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे है। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉन्गा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पौधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का संग्रह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबंधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियां चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खींचेंगे डांन बास्को तथा आल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली घास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरने के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यु के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी हैं जैसे मारग्रेट फाल, बिशप फाल, स्वीट फाल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोंग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनखलामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद गोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर है। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

विराट कोहली को लेकर पीयूष चावला ने किया बड़ा खुलासा, कहा- विराट आज भी बिल्कुल वैसे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अक्सर चर्चा में रहते हैं। वहीं कई दिग्गज उनके बारे में कह चुके हैं कि वो समय के साथ बदल गए हैं। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि पहले का विराट कोहली चीकू था और अब चीकू है ही नहीं। वहीं अमित मिश्रा ने तो यहां तक कह दिया था कि सफलता विराट के सिर चढ़ गई थी, और वह बिल्कुल बदल गए। लेकिन पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कोहली के बारे में बड़ा खुलासा करते हैं सबको चौंका दिया है।

दरअसल, पीयूष चावला का एक पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं कि विराट कोहली पिछले 10-15 सालों में कोई बदलाव नहीं आया है। 2 स्लॉगर्स पॉडकास्ट पर जब पीयूष से पूछा गया था, कि आप हमें ये बताइए कि विराट कोहली क्यों बदल गए है?

तो इस पर चावला कहते हैं कि मैं तो जितना भी विराट से मिला हूं, जितना भी उनके साथ खेला हूं मेरा बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हम लोग जूनियर क्रिकेट साथ खेले हैं और उसके बाद आईपीएल में खेले, टीम इंडिया के लिए साथ खेले हैं। मेरे साथ यही चीज है... देखिए हर किसी का अपना- अपना सोचना होता है, मेरे साथ जितनी भी बातचीत हुई है, हम अभी भी जब मिलते हैं तो बहुत अच्छे से मिलते हैं।

पीयूष चावला ने आगे कहा कि, वो जब एशिया कप में खेल रहे थे, और मैं कॉमेंट्री कर रहा था, मैं बाउंड्री के पास खड़ा हुआ था। इनिंग के बाद जो शो करना होता है, उसके लिए तो वहां पर वो आया और कहा पीसी यार चल कुछ अच्छा सा ऑर्डर करते हैं। क्योंकि हम दोनों ही खाने के बहुत शौकीन हैं, तो इस तरह से आज भी वैसे ही बातचीत होती है। जैसी आज से 10 साल या 15 साल पहले होती थी। पीयूष चावला का ये इंटरव्यू काफी पुराना है, लेकिन इस इंटरव्यू का ये हिस्सा फिलहाल काफी वायरल हो रहा है।

सुमित अंतिल को नीरज चोपड़ा की सलाह, पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।% अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतर्क हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

–30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।

आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

पूर्व बल्लेबाजी कोच बोले, रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी

–मैच को लेकर अपनी रणनीति नहीं भूलते

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।

राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं। किसी कप्तान को मैंने टीम बैठक या रणनीति में इतना शामिल होता नहीं देखा जितना उन्हें देखा है। वह टीम की रणनीति पर काफी समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों की बैठक, बल्लेबाजों की बैठक का हिस्सा रहते हैं। वह खिलाड़ियों के साथ समय बताते हैं और इस दौरान बताते हैं कि किससे उन्हें क्या चाहिये।

श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

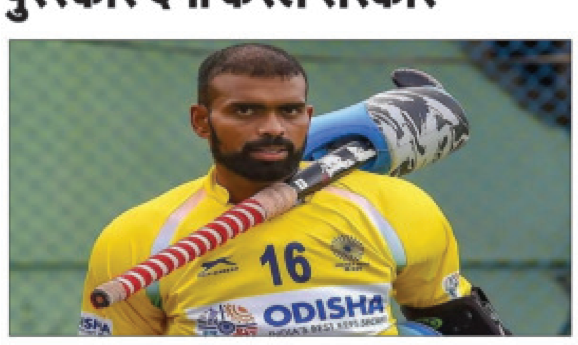

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।' श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था।

मनु ने सम्मान समारोह में बच्चों के साथ किया डांस

चेन्नई। पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर अब अपने डांस के कारण छायी हुई हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वायरल वीडियो में मनु को एक सम्मान समारोह के दौरान कुछ स्कूली बच्चों के साथ बार-बार देखो फिल्म के मशहूर गाने काला चश्मा पर थिरकते देखा गया। वह इस गाने पर बच्चों के साथ ताल से ताल मिलाते नजर आ रही हैं। मनु ने ओलंपिक के एक ही सत्र दो व्यक्तिगत पदक जीतकर रिकार्ड बनाया था। वह इसके बाद से ही बेहद लोकप्रिय हो गयी हैं। चेन्नई के एक स्कूल में हुए सम्मान समारोह में मनु ने कहा, टोक्यो ओलंपिक से असफल लौटने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना बहुत कठिन था। मैं दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी थी, लेकिन मैंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे हारने और फिर जीतने का स्वाद पता है। यही तो खेलों की खूबसूरती है। एक प्रतियोगिता आप हारते हैं, तो आप दूसरी जीत सकते हैं। लेकिन, यह तभी होगा जब आप कड़ी मेहनत करेंगे। युवा छात्रों से करियर के विकल्प के रूप में खेल को अपनाने को लेकर इस निशानेबाज ने बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें बहुत मेहनत और प्रयास करना चाहिए। हमारे पास करियर के लिए कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनने की जरूरत नहीं है। खेलों को भी चुन सकते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

न्यूयॉर्क। पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नही हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वही जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हू काई और नही। कोई भी इस प्रकार के जोखिम नही उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकाबले के लिए तैयार हूं।

जहीर खान बन सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर, 2 और टीमें कर रही संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कोचिंग सेटअप में जहीर खान को जोड़ना चाह रही। ऐसा माना जा रहा है कि दो अन्य फ्रेंचाइजी भी जहीर को टीम में शामिल करने के लिए इच्छुक थीं, जो हाल ही मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास के प्रमुख थे इससे पहले वह 2018-2022 तक फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्टर थे।

पिछले साल के आखिर में गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ सुपर जायंट्स बिना किसी मेंटर के है। गंभीर, जो उस सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा थे जिसने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वो भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बन गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, जो एलएसजी के गेंदबाजी कोच थे, अब उसी भूमिका में भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं।

मेंटर की भूमिका के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स जहीर को और बड़ी भूमिका देना चाहती है। ऑफ सीजन के दौरान टैलेंट स्काउटिंग और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में भी वो शामिल हो सकते हैं। लखनऊ के बैकरूम का नेतृत्व वर्तमान में जस्टिन लैंगर कर रहे हैं। जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले एंडी फ्लावर की जगह मुख्य कोच के रूप में काम किया है, उनके सहायक के रूप में लांसस क्लूजनर और एडम वोजेस हैं। अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ बर्थ हासिल करने के बाद, केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम 2024 में टॉप चार में जगह बनाने के लिए नेट रन रेट पर पिछड़ गई।

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

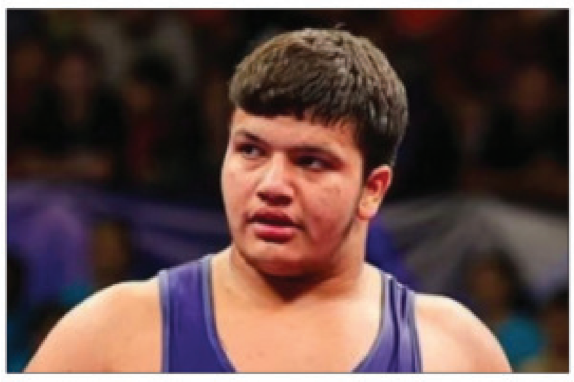

अम्मान (जॉर्डन)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।'' साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नही थी। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।' पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा।' कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।' ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।'

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।'

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।'

बेटे की इच्छामृत्यु की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचे दंपति

नई दिल्ली। क्या कोई माता-पिता अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की डिमांड कर सकता है? सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लेकिन दिल्ली के एक दंपती ने ऐसी ही गुहार लगाई है। उन्होंने अपने 30 साल के बेटे के लिए इच्छामृत्यु की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल से ज्यादा हो गया, उनका बेटा वेजिटेटिव स्टेट पर है। वह मेडिकल सपोर्ट सिस्टम के द्वारा किसी तरह जिंदा है। हालांकि, बेटा का इलाज महंगा है, इसमें उनकी पूरी जमापूंजी खत्म हो गई। डॉक्टरों ने भी उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं जाहिर की है। इसके बाद थककर मां-बाप ने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने उनकी मांग को अस्वीकार कर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्ग माता-पिता के दर्द को समझकर सरकार से कहा कि क्या वे इस मरीज की देखभाल के लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पैसिव यूथेनेसिया की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि वहां जीवन रक्षक प्रणाली पर नहीं है, भले ही मरीज को राइल्स ट्यूब के जरिए खाना दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह मामला तब उठाया जब पीड़ित के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पूरा मामला दिल्ली के रहने वाले अशोक राणा (62) और निर्मला देवी (55) के इकलौता बेटे से जुड़ा है। वे पिछले 11 साल से गंभीर हालात में है। हुआ यूं कि साल 2011 में 30 वर्षीय युवक मोहाली में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। तभी एक हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं। वह वेजीटेटिव स्टेट में चला गया। तब से लेकर आज तक युवक उसी कंडीशन में है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है। बेटे का इलाज कराते-कराते इस बुजुर्ग दंपति की सारी जमा पूंजी खत्म हो चुकी है। अब डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया है।

बक्सर में फिर बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर... प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर

बक्सर। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर फिर बढ़कर चेतावनी बिंदु के पास पहुंचा हुआ है। केंद्रीय जल आयोग से बुधवार की सुबह 8 बजे मिली अपडेट के अनुसार नदी का जलस्तर 58.90 मीटर पर पहुंचा है। वहीं, नदी में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार प्रति घंटे एक सेंटीमीटर बताया जा रहा है। बक्सर एसडीओ द्वारा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने की सूचना मिलने पर जिले के गोला घाट पर पहुंच निरीक्षण किया गया। एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि नदी का जलस्तर अभी चेतावनी बिंदु से नीचे है। इसकारण चिंता की कोई बात नहीं है। जिला प्रशासन संभावित बाढ़ क्षेत्र में अपनी राहत बचाव एसएनबी संबंधित तैयारी की हुई है। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर 8 अगस्त को तेजी से बढ़ते हुए चेतावनी बिंदु को पार कर गया था। 8 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.33 के पास पहुंच गया था। वहीं 9 अगस्त को जलस्तर बढ़ते हुए खतरे 59.49 पर पहुंच खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। जिसके कारण बक्सर के दर्जनों घाट का एक दूसरे से संपर्क टूट गया था। प्रसिद्ध रामरेखा घाट की सभी सीढ़ियां जल में समा गई। नदी का पानी विवाह मंडप में प्रवेश कर गया था। हालांकि 10 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.49 पर स्थिर होने के बाद 11 अगस्त से घटना शुरू हो गया। जो 16 अगस्त तक घटते हुए 57.94 के पास जा पहुंचा। इसी बीच नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एक बार फिर से तटवर्तीय लोगों की माथे पर चिंता की लकीर देखा जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में फार्मा कंपनी के कारखाने में लगी आग, चार कर्मचारियों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनुतापुरम में बुधवार को एक फार्मा कंपनी के कारखाने में आग लग जाने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। अनकापल्ली की जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब दो बजे एसेंटिया फार्मा कंपनी के संयंत्र में हुई। कृष्णन ने बताया, हमने चार कर्मचारियों को खो दिया। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए करीब 30लोगों को अनकापल्ली और अनुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने कहा कि कंपनी में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है।

भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान से कोई वस्तु गिरी, कोई जानमाल का नुकसान नहीं

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में बुधवार को भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान से कोई वस्तु जमीन पर गिरी। वायुसेना ने कहा कि घटना में किसी संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ और जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। उसने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज तकनीकी खराबी के कारण पोखरण फायरिंग रेंज के पास भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान से एक 'एयर स्टोर' अनजाने में बाहर आ गया।'' उसने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है। रामदेवरा थाने के पुलिस उपनिरीक्षक शंकर लाल ने बताया कि गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुछ लोगों ने जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। उनके अनुसार वहां किसी वस्तु के टुकड़े पड़े हुए थे।

कोलकाता में एक और कांड! महिला का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता में एक और कांड सामने आया है। आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर संग रेप-मर्डर केस के बाद अब कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक महिला का शव मिला है। महिला का शव खून से लथपथ है। यह महिला कौन है, कहां की है और क्या करती है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई। फिलहाल, पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर महिला की हत्या कैसे हुई है, क्या रेप भी हुई है? फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला की जानकारी खंगाल रही है। इस घटना के बाद से लोगों के भीतर और डर बढ़ गया है। बता दें कि कोलकाता रेप कांड को लेकर पहले से ही देशभर में बवाल जारी है। इससे पहले 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से यह बात सामने आई कि हत्या से पहले ट्रेनी डॉक्टर का रेप किया गया था। इस मामले में पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, अब मामले की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इसे लेकर हर जगह आक्रोश है।

अथर्व निभा रहे हैं एण्डटीवी के नये शो 'भीमा' में बाबा साहेब का किरदार

मुंबई : अभिनेता अथर्व को एण्डटीवी के शो एक महानायक: डॉ बी. आर. आम्बेडकर में बाबा साहेब की मुख्य भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। वह एक बार फिर से एक नये सोशल ड्रामा भीमा में इस महान व्यक्तित्व की भूमिका निभा रहे हैं। अपने अनुभव के बारे में बताते हुए अथर्व कहते हैं, ऐसे प्रेरणादायक लीडर की भूमिका निभाना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। मैं पिछले ढाई सालों से इस महत्वपूर्ण शो का हिस्सा बना हुआ हूँ। जब मुझे पता चला कि भीमा के निमार्ता चाहते हैं कि मैं उनके शो में भी बाबा साहेब का किरदार निभाऊं, तो मैं बहुत खुश हुआ और मैंने तुरंत इसे स्वीकार कर लिया। इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है, और मैं उनकी विरासत को अपने अभिनय के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए आभारी हूँ। भीमा में अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए अथर्व ने कहा, अपने अधिकारों के लिए लड़ने और समाज में अपना उचित स्थान पाने के संघर्ष में, भीमा के मार्गदर्शक बाबा साहेब हैं। इस शो में समाज द्वारा बनाई गई कठिन परिस्थितियों के खिलाफ भीमा के संघर्ष को बहुत अच्छे से दिखाया गया है। कई अन्यायों और भेदभाव का सामना करने के बावजूद भीमा न्याय और समान अधिकार पाने के लिए निडर होकर आगे बढ़ रही है। अथर्व को भीमा में उनके प्रदर्शन के लिए काफी तारीफें मिल रही हैं। इस पर उन्होंने कहा, जब इस शो का पहला एपिसोड प्रसारित हुआ और उसे जो सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, उससे मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ।

बदलापुर मामले में हुई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे, आरोपी को दादा कहती थी मासूम

बदलापुर (एजेंसी)। ठाणे जिले के बदलापुर में चार साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना से उबाल है। स्कूल के शौचालय में चार वर्षीय दो बच्चियों से सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किये जाने के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों को रोक दिया और विद्यालय परिसर में धावा बोल दिया। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्च किया, जो पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। नाराज अभिभावकों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताने के लिए स्कूल भवन में तोड़फोड़ की।

इस मामले के आरोपी की पहचान अक्षय शिंदे के तौर पर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी बीच एक बच्ची के माता-पिता की तरफ से दर्ज कराई शिकायत से सामने आया है कि शिंदे ने कैसे वारदात को अंजाम दिया।एफआईआर में इस बात का जिक्र है कि स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाले ने बच्ची का यौन शोषण किया है। रिपोर्ट में एफआईआर के हवाले से बताया गया है कि घटना 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से 12 बजे के बीच हुई। इनमें से एक बच्ची के परिवार को 13 अगस्त को दूसरी बच्ची के परिवार से बात करने के बाद कुछ शक हुआ। दूसरी बच्ची के परिवार ने बताया कि वो यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं।

एफआईआर में कहा गया है कि इसके बाद बच्ची के पिता ने भी उसका मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया। शिकायत में बताया गया है कि मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची का हाइमन टूटने की बात सामने आई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि बच्ची बहुत डरी हुई थी और उसने परिवार को बताया कि स्कूल में दादा ने उसके कपड़े उतारे और निजी अंगों को छुआ था।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि परिवार ने कहा है कि उन्होंने 16 अगस्त को इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया था। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पुलिस ने 12 घंटों के बाद 16 अगस्त को रात 9 बजे एफआईआर दर्ज की थी।

बदलापुर मामले में टीएमसी सांसद ने की शिंदे सरकार की आलोचना

-बोलीं-महाराष्ट्र पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से कर दिया था इनकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो मासूम छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर शिंदे

सरकार की आलोचना की है। उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की प्रतिक्रिया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप -हत्याकांड पर कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बीच तुलना की। कोलकाता में रेप-हत्याकांड के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और बंगाल सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की जा रही है। मोइत्रा ने कहा कि बदलापुर मामले के विपरीत जहां महाराष्ट्र पुलिस ने कई दिनों तक प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया था। कोलकाता पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर रेप-हत्याकांड में आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया था। महुआ ने बुधवार को ट्वीट किया कि आरजी कर मामले में पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी। महाराष्ट्र में पुलिस ने कई दिनों तक एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। यह असली गैर-लोकतांत्रिक गठबंधन है। बता दें महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में सफाई कर्मचारी ने तीन और चार साल की दो मासूम छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के बाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की और भीड़ ने ट्रेन सेवाओं को बाधित कर दिया था।

छात्राओं से यौन उत्पीड़न मामले में सांसद सुले ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

-शहर में तनाव के चलते बंद की गई इंटरनेट सेवाएं बहाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं के साथ बदलापुर के एक स्कूल में दो छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न को लेकर शिंदे सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिए जाने की मांग की। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के सफाईकर्मी ने दो छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर तनाव बढ़ने के बाद इंटरनेट को बंद कर दिया गया था, जिसके बाद इसे बहाल कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि वह इस मामले की जांच के लिए बदलापुर एक टीम भेजेगा।

स्कूल के शौचालय में चार साल दो मासूम छात्राओं से सफाईकर्मी द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया और जिससे कई ट्रेन प्रभावित हुई थीं बदलापुर स्टेशन पर, उग्र प्रदर्शनकारियों को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ ''हाय-हाय'' के नारे लगाते और यौन उत्पीड़न में कथित तौर पर संलिप्त सफाईकर्मी को फांसी देने की मांग करते देखा गया। इसके साथ स्कूल परिसर में

धावा बोल दिया था। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजी, क्योंकि वह पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। आक्रोशित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताते हुए स्कूल में तोड़फोड़ भी की थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उन्होंने आईपीएस आरती सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की त्वरित अदालत में सुनवाई होगी और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला... डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुददा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

'कानून में बदलाव वक्त और वक्फ दोनों की जरूरत', नकवी बोले- 'टच मी नॉट' की राजनीति से आना होगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गुरुवार (22 अगस्त) को पहली बार बैठक करने की तैयारी कर रही है, जिसमें हाल ही में संपन्न संसद सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की जाएगी।

यह विधेयक भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और पार्टी के रणनीतिकार चाहते हैं कि इसे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पारित कर दिया जाए। हालांकि, बहुत कुछ जेपीसी की रिपोर्ट पर भी निर्भर करता है। भाजपा को न केवल विपक्षी दलों को साथ

लाना है, बल्कि चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों को भी विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करना है। नकवी ने कहा कि इस पूरी व्यवस्था (वक्फ बोर्ड की) को 'छूओ मत' की राजनीति से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है।

विपक्षी दलों और कुछ सहयोगी दलों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए नकवी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि वक्फ कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, पहले भी संशोधन किए गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान संशोधन किए गए थे। सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक पर विस्तार से चर्चा, विचार-विमर्श और विश्लेषण होना चाहिए, इसीलिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। जेपीसी एक संवैधानिक संस्था है और इसकी बैठकों में इस विधेयक पर खुले मन से चर्चा होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल के पास जो भी तर्क होंगे, वे जेपीसी की बैठकों में सामने आएंगे।

विधेयक को सांप्रदायिक रंग देने के 'प्रयासों' का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं और भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है, इसलिए सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस पर गहन चर्चा के लिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन समय की मांग है और यह नहीं माना जाना चाहिए कि किसी पर हमला किया जा रहा है या यह विधेयक किसी के खिलाफ है।

नक्सलवाद पर फाइनल चोट करने की तैयारी, दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे अमित शाह, प्रभावित राज्यों के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 और 25 अगस्त को छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नक्सल विरोधी अभियानों, रणनीतियों और माओवाद प्रभावित राज्यों में विकास पर उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। शाह अपने दौरे के दौरान पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। शाह के दौरे का विस्तृत प्रोटोकॉल जल्द ही पार्टी द्वारा जारी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री 23 अगस्त की शाम को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और 24 और 25 अगस्त को बैठकें करेंगे, जिसके बाद वे 25 की शाम को वापस लौटेंगे।

इस बैठक में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुखों के शामिल होने की संभावना है। इन राज्यों में नक्सलवाद पर लगाम लगी है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रमुख अनीश दयाल सिंह के भी इन दोनों बैठकों में शामिल होने की उम्मीद है। 25 अगस्त को गृह मंत्री सुबह समीक्षा बैठक के बाद रायपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री 24 अगस्त को छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार पर एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

नक्सल विरोधी बैठक ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब गृह मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी उग्रवाद हिंसा का भौगोलिक प्रसार काफी हद तक कम हो गया है। 2013 में 10 राज्यों में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो 2024 में घटकर केवल 38 रह गई है (अप्रैल-2024 से) जो नौ राज्यों में है- छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल।

बताया जा रहा है कि शाह नया रायपुर में कई विभागों के प्रमुख सचिवों और सचिवों, डीजीपी और राज्य तथा देश के अन्य नक्सल प्रभावित

राज्यों के पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात अर्धसैनिक बलों के अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री के दौरे की तैयारियां जोरों पर हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**